छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 213 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 18 अगस्त 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

एक करोड़ के जेवरों की उठाईगिरी, बदमाश भागा, 46 लाख का जेवर बरामद

500 सीसीटीवी खंगालते 10 दिन तक चला सर्च ऑपरेशन, और अंतर्राज्यीय गिरोह के ठिकाने तक पहुंची पुलिस

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा के थाना सीतापुर अंतर्गत बीते 26 जुलाई को ज्वेलर्स दुकान के पास से हुई एक करोड़ रुपये के जेवरों की उठाईगिरी के मामले का सरगुजा पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के 2 आरोपियों की पहचान की है। पुलिस ने छत्तीसगढ़, झारखंड और उड़ीसा के करीब 500 सीसीटीवी फुटेज खंगालकर और तकनीकी विश्लेषण के बाद आरोपियों का पता लगाया, और उड़ीसा के गंजाम जिले में दबिश देकर आरोपी के घर से 46 लाख रुपये का सोने-चांदी के आभूषण बरामद किया है।

डीआईजी एवं सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल ने पुलिस कोआर्डिनेशन सेंटर में पत्रकारों से घटना दिनांक 26 जुलाई से अब तक पुलिस की कार्रवाई और मिली सफलता को साझा करते हुए बताया कि, अरुणदेव सोनी का हाईस्कूल सीतापुर के पास कांशी विश्वनाथ ज्वेलर्स दुकान है। सुबह करीब 11.30 बजे वे अपनी स्कूटी में ज्वेलरी का बैग लेकर दुकान खोलने गए थे। दुकान के पास स्कूटी में बैग रखकर शटर खोल ही रहे थे कि, अज्ञात व्यक्ति बैग लेकर भाग गया। बैग में रखे सोने-चांदी के आभूषण की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई गई थी। रिपोर्ट पर थाना सीतापुर में धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी के नेतृत्व में साइबर सेल अंबिकापुर और थाना सीतापुर की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीव्ही फुटेज प्राप्त किए। फुटेज में दो मोटरसाइकिल पर सवार 4 संदिग्ध व्यापारी के कब्जे से बैग लेकर भागते दिखे। इसके बाद टीम ने उनके रूट सरगुजा के गेरसा, जशपुर के कांसाबेल, कुनकुरी, सिंगीबहार होते हुए झारखंड के कुरडेग, खैरनटोली, सिमडेगा और उड़ीसा के सुंदरगढ़ तक ट्रैस किया। टीम ने इन सभी संभावित स्थानों के करीब 500 सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से अवलोकन किया। फुटेज और हुलिया के आधार पर अन्य राज्यों की पुलिस से समन्वय स्थापित करके संदेहियों के तलाश में लगी तो इनकी पहचान चांटी दास निवासी ग्राम सोर्डा जिला गंजाम उड़ीसा और नागेश्वर राव निवासी नारायणपुर थाना कोटिनाडा जिला गंजाम उड़ीसा के रूप में हुई।

उड़ीसा पुलिस के सहयोग से सर्च ऑपरेशन

आरोपियों की पहचान के बाद पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा, एसएसपी राजेश कुमार अग्रवाल, एएसपी रितेश चैधरी और नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल के मार्गदर्शन में संयुक्त टीम को उड़ीसा के गंजाम जिले भेजा गया। स्थानीय पुलिस के सहयोग से टीम ने लगातार 10 दिनों तक संभावित ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया। इसी बीच पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि संदेही चांटी दास 16 अगस्त की रात अपने घर आया था। पुलिस ने ग्राम सोर्डा स्थित उसके घर पर दबिश दी, घर पर ताला लगा था। विधिवत तलाशी में घर से सीतापुर से चोरी के जेवरात मिले।

300.92 ग्राम सोने और कीमत एक किलो से अधिक चांदी के आभूषण मिले

पुलिस ने करीब 300.92 ग्राम सोने के आभूषण कीमत 43 लाख रुपये और 1 किलो 168 ग्राम चांदी के आभूषण कीमत 3 लाख रुपये, कुल 46 लाख रुपये का माल जप्त किया। इधर आरोपी चांटी दास मौके से फरार हो गया। पुलिस टीम फिलहाल आरोपी चांटी दास और नागेश्वर राव की गिरफ्तारी के प्रयास में लगी है। प्रकरण में संलिप्त अन्य आरोपियों का भी पता लगाया जा रहा है।

एसएसपी ने इनकी भूमिका को सराहा

एसएसपी ने बताया कि प्रकरण के पर्दाफाश में साइबर सेल अंबिकापुर से प्रभारी सउनि अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, विकास सिन्हा, आरक्षक अशोक यादव, अनुज जायसवाल, मनीष सिंह, अमन पुरी, राहुल केरकेट्टा, थाना सीतापुर से थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अखिलेश सिंह, उपनिरीक्षक रघुनाथ भगत, प्रशिक्षु उपनिरीक्षक अनिल कुमार, प्रधान आरक्षक तीजराम पैंकरा, आरक्षक राकेश यादव, महेंद्र नाग, थाना मणीपुर से आरक्षक उमाशंकर साहू, कुश कुमार सोनी, उड़ीसा पुलिस से एसडीओपी आश्का सौरव रंजन प्रधान, थाना प्रभारी आश्का सुधीर कुमार, निरीक्षक दीसी रंजन बेहरा, प्रधान आरक्षक पंचानन, आरक्षक मनोज कुमार, वरूण कुमार, हेमंत कुमार की सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस करेगी ज्वेलरी के रिकार्ड का मिलान

एक करोड़ का जेवरात लेकर भागने की घटना के प्रकाश में आने के बाद सीतापुर क्षेत्र के लोगों में आक्रोश था। घटना को लेकर स्वस्फूर्त नगर बंद, चक्काजाम जैसा प्रदर्शन भी लोगों ने किया था, जिसमें व्यवसायी सहित सभी वर्ग के लोग शामिल हुए थे। पुलिस पर आरोपों की झड़ी लग रही थी, इधर पुलिस घटना को चैलेंज मानते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए हरसंभव प्रयास में लगी थी। एसएसपी राजेश अग्रवाल ने बताया कि, ज्वेलरी दुकान के संचालक द्वारा एक करोड़ का जेवरात होने की जानकारी दी गई है। ऐसे में पुलिस अग्रिम कार्रवाई करते हुए बरामद किए गए जेवरात और दुकान के रिकार्ड का मिलान करेगी।

नागपंचमी पर 51 जोड़ों ने किया कालसर्प दोष शांति पूजन

नागदेवता की पूजा-अर्चना के साथ हुआ महारुद्राभिषेक, सुख-समृद्धि की कामना

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नागपंचमी के पावन अवसर पर रविवार को शहर में श्रद्धा और आस्था का माहौल रहा। वास्तु ज्योतिष केंद्र के संचालक पंडित योगेश नारायण मिश्र के मार्गदर्शन में कालसर्प दोष शांति पूजन एवं महारुद्राभिषेक, महामृत्युंजय मंत्र जाप का आयोजन किया गया। पूजन में 51 जोड़ों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान शिव और नागदेवता की आराधना की और परिवार की सुख-शांति व समृद्धि की कामना की।

सावन में शिव आराधना का विशेष महत्व-धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन मास में भगवान महादेव की आराधना विशेष फलदायी मानी जाती है। नागपंचमी पर श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जल, दूध और पूजन सामग्री अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान महामृत्युंजय मंत्र का जाप और रुद्राभिषेक भी किया गया।

ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार जन्मकुंडली में राहु और केतु के बीच सभी ग्रहों के स्थित होने को कालसर्प योग कहा जाता है। धार्मिक परंपरा में नागपंचमी को नागदेवता और भगवान शिव की पूजा के लिए विशेष दिन माना गया है। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से पूजा, अभिषेक और मंत्र जाप करने से मानसिक शांति मिलती है तथा जीवन में आने वाली बाधाओं से मुक्ति मिलती है।

अभिषेक से मिलती है सकारात्मक ऊर्जा-पंडित योगेश नारायण मिश्र ने बताया कि भगवान शिव का अभिषेक करने से भक्तों को सकारात्मक ऊर्जा, शांति और मनोकामना पूर्ति का आशीर्वाद प्राप्त होता है। नागपंचमी पर नागदेवता की पूजा भगवान शिव की आराधना से जुड़ी है। इसी उद्देश्य से विशेष पूजन एवं महारुद्राभिषेक का आयोजन किया गया।

भक्तिमय रहा पूरा वातावरण-पूजन कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का अभिषेक कर परिवार के सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि की कामना की। मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। आयोजन में पंडित अंकित शर्मा, पंडित लखन दुबे, राजा मिश्रा, दुर्गेश पांडेय, रुक्म पांडेय, सुमित महाराज सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एमबीबीएस चायवाला इंटर्न चिकित्सकों ने चाय पिलाकर किया विरोध प्रदर्शन

स्टाइपेंड बढ़ाने सहित अन्य मांगों को लेकर 6 अगस्त से दे रहे धरना

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल परिसर में सोमवार को सफेद एप्रन पहने इंटर्न डॉक्टर हाथ में केतली और चाय के लिए डिस्पोजल कप लिए नजर आए। धरनास्थल पर अदरक मिश्रित चाय की खुशबू के साथ एक डिब्बा भी ये रखे थे जिसमें जितनी मर्जी रकम डाल सकते थे। ऐसे में अस्पताल परिसर का नजारा बदला हुआ था। इनकी मांग है कि राज्य के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में इंटर्न्स के वर्तमान स्टाइपेंड का तत्काल समीक्षा की जाए। इंटर्न्स के स्टाइपेंड में उचित एवं सम्मानजनक वृद्धि की जाए। स्टाइपेंड वृद्धि के संबंध में स्पष्ट एवं लिखित शासनादेश जारी किया जाए। संशोधित स्टाइपेंड के क्रियान्वयन हेतु स्पष्ट समय सीमा निर्धारित की जाए। भविष्य में इंटर्न स्टाइपेंड की समय-समय पर समीक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि यह महंगाई एवं वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप बना रहे। इनका कहना था कि एमबीएस की पढ़ाई के बाद मिलने वाला स्टाइपेंड इतना कम है कि एक चाय बेचने वाला भी उनसे ज्यादा कमा लेता है।

बीते छह अगस्त से इन मांगों को लेकर धरने पर बैठे इंटर्न चिकित्सकों ने 12वें दिन सोमवार को प्रदर्शन का तरीका बदला। धरनास्थल पर ही इन्होंने चाय बनाई, और अस्पताल में आने-जाने वाले मरीजों के स्वजन, स्टाफ और आम लोगों को चाय पिलाते हुए अपनी पीड़ा को सामने लाने का इन्होंने प्रयास किया। चाय के साथ एक डिब्बा भी ये रखे थे। इंटर्न चिकित्सकों ने कहा कि अगर किसी को चाय की कीमत देनी हो तो वह स्वेच्छा से डिब्बे में राशि डाल सकता है। इस प्रतीकात्मक कदम के जरिए उन्होंने यह दिखाने की कोशिश की, कि बाजार में एक चायवाला दिनभर में जो कमाता है, वह 24 घंटे ड्यूटी करने वाले इंटर्न डॉक्टर के दैनिक स्टाइपेंड से ज्यादा है। ऐसे में मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में एमबीबीएस चायवाला प्रदर्शन लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा था। बीच-बीच में ये नारेबाजी करके सरकार के द्वारा की जा रही अनदेखी के प्रति नाराजगी भी जाहिर कर रहे थे। इंटर्न चिकित्सकों का कहना है कि, वे पूरे समर्पण भाव से मरीजों का इलाज कर रहे हैं। आपातकालीन, ओपीडी और वार्ड में दिन-रात ड्यूटी कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है।

अन्य राज्यों की तुलना में सबसे कम स्टाइपेंड

अन्य राज्यों की तुलना में प्रदेश में एमबीबीएस इंटर्न को मिलने वाला स्टाइपेंड सबसे कम है, जबकि दूसरे राज्यों में इंटर्न को कहीं अधिक स्टाइपेंड दिया जाता है। उन्हें स्टाइपेंड में वृद्धि के साथ ही अस्पताल में सम्मान और सुरक्षा भी चाहिए। छत्तीसगढ़ में 15900 रुपये स्टाइपेंड मिलता है, इसे कम से कम 30000 रुपये करना उनके हित में होगा। इंटर्न ने कहा, हम डॉक्टर बनने के बाद भी आर्थिक रूप से इतने कमजोर हैं कि स्वयं का खर्च चला पाना मुश्किल हो रहा है। अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो यह आंदोलन और तेज होगा।

प्रदेश के करीब 1000 इंटर्न चिकित्सक दे रहे धरना

बता दें कि प्रदेश स्तर पर सभी मेडिकल कॉलेजों के लगभग 1000 इंटर्न चिकित्सक स्टाइपेंड में वृद्धि को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में इंटर्न की संख्या 116 है, जो 6 अगस्त से रोजाना धरना में अपनी शांतिपूर्वक उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। सोमवार का एमबीबीएस चायवाला प्रदर्शन इसी आंदोलन का हिस्सा था। इंटर्न चिकित्सकों ने साफ कहा है कि जब तक सरकार उनकी मांगें नहीं मानती, तब तक उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। जरूरत पड़ी तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। इस अनोखे प्रदर्शन को देखकर अस्पताल आए लोग भी रुककर उनकी बातों को सुनते रहे। कई लोगों ने चाय पीने के साथ डिब्बे में सहयोग राशि भी डाली और इंटर्न की मांग का समर्थन किया।

साइबर जागृति अभियान 3 शिक्षण संस्थानों में 500 छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव के दिए गए गुर

ओटीपी, यूपीआई, क्यूआर फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट से बचने बताए उपाय, जागरूकता की सेल्फी भी ली

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा-निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, नोडल अधिकारी साइबर सेल रितेश चौधरी के मार्गदर्शन में जिले में साइबर जागृति अभियान का प्रथम सप्ताह मनाया जा रहा है। अभियान के तहत रविवार को शहर के 3 शिक्षण संस्थानों में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 500 छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी दी गई।शासकीय राजमोहिनी देवी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं नगर पालिका हायर सेकेंडरी स्कूल में कार्यक्रम हुए, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

पुलिस टीम ने छात्र-छात्राओं को वर्तमान में बढ़ रहे ओटीपी फ्रॉड, यूपीआई एवं क्यूआर फ्रॉड, फर्जी लिंक, एपीके फाइल, फर्जी कस्टमर केयर नंबर, सोशल मीडिया फ्रॉड, फर्जी प्रोफाइल, अनजान वीडियो कॉल, सेक्सटॉर्शन एवं डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से बताया। उन्हें समझाया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति से ओटीपी, पिन, सीवीवी पासवर्ड या बैंक संबंधी जानकारी साझा न करें। संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें, अनजान एपीके फाइल डाउनलोड न करें और किसी के कहने पर क्यूआर स्कैन करने से पहले उसकी जांच अवश्य करें। सोशल मीडिया पर निजी फोटो, वीडियो और व्यक्तिगत जानकारी डालते समय विशेष सावधानी बरतें। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. एजन टोप्पो, प्राचार्य विनोद सिंह, नवा विहान से अजय तिवारी, डॉ. विश्वासी एक्का, डॉ. सृष्टि शैफाली मिंज सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित थे। पुलिस टीम से सउनि अभय तिवारी, थाना गांधीनगर से विवेक चंद्राकर, महिला थाना से महिला प्रधान आरक्षक एंजेला मिंज, प्रधान आरक्षक राजेश्वर खलखो, आरक्षक राहुल, महिला आरक्षक सविता मरावी, पुलिस मितान एवं साइबर वॉलंटियर टीम से अतुल गुप्ता, बसंत श्रीवास्तव, आर्यन पाण्डेय, विकेश राजवाड़े, विभाश्री सिंह एवं राजकुमार ने छात्र-छात्राओं के सवालों के जवाब दिए। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं ने स्वयं जागरूक रहने और परिवार-समाज को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

1930 पर तत्काल करें शिकायत

साइबर अपराध होने पर तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 और साइबर क्राइम डॉट जीओवी डॉट इन पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया बताई गई। बताया गया कि समय पर शिकायत से ठगी गई राशि को रोका जा सकता है।

जागरूकता की सेल्फी अभियान

कार्यक्रम में जागरूकता की एक सेल्फी अभियान चलाया गया। छात्र-छात्राओं को साइबर जागरूकता क्यूआर से जोड़ा गया और सुरक्षा संदेशों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। सभी ने क्यूआर कोड के साथ सेल्फी ली।

एनएच पर ट्रक की ठोकर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

छ.ग. फ्रंटलाइन लखनपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबिकापुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-130 पर रविवार शाम करीब 7.50 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। केसगवा मोड़ के समीप तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में बाइक सवार बंधन राम बरगाह पिता शिव कुमार निवासी ग्राम डोकेरनारा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायल को एंबुलेंस द्वारा लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों और पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जप्त कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

एएचपी आवास स्थल पर कैंसर पीड़िता के हाथों ध्वजारोहण, देशभक्ति से गूंजा सुभाषनगर

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर पालिक निगम अंबिकापुर अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के एएचपी घटक के तहत सुभाषनगर स्थित एएचपी आवासीय स्थल पर 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। हितग्राहियों ने पूरे उत्साह के साथ इस राष्ट्रीय पर्व में सहभागिता की और देशभक्ति की भावना को प्रकट किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। इस अवसर पर कैंसर से पीड़ित एक हितग्राही को विशेष सम्मान देते हुए उनसे ध्वजारोहण कराया गया। इनकी उपस्थिति और सहभागिता ने पूरे कार्यक्रम को भावनात्मक और प्रेरणादायी बना दिया। उपस्थित सभी हितग्राहियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने तालियों से उनका सम्मान किया और एक स्वर में वंदे मातरम् का उद्घोष किया। इस अवसर पर सीएलटीसी उत्कर्ष पांडेय, साइट इंजीनियर अतुल बिसेन, साइट सुपरवाइजर बबलू कुमार, दीपक गुप्ता, प्रवीण कुमार सहित बड़ी संख्या में एएचपी हितग्राही उपस्थित रहे। सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। बच्चों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए जिससे माहौल और भी देशमय हो गया।

आवास के साथ मिला सम्मान और अपनापन

पीएमएवाई (यू) योजना के तहत न केवल पक्के आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं, बल्कि ऐसे सामुदायिक आयोजन सामाजिक एकजुटता और आपसी सम्मान की भावना को भी मजबूत कर रहे हैं। एएचपी स्थल पर मनाया गया यह स्वतंत्रता दिवस इस बात का उदाहरण है कि सरकारी योजना से जुड़े हितग्राही भी राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने देश को स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित बनाने का संकल्प लिया।

एनएच 43 पर मौत को न्योता दे रहा गहरा गड्ढा

बारिश में 8 से 10 फीट पानी भरने से बढ़ा हादसे का खतरा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्टीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर ग्राम पंचायत अजबनगर के रांगघाट के पास राहगीरों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सड़क पर पानी निकासी हेतु पाइप लाइन डालने के लिए विभागीय अधिकारियों द्वारा करीब पखवाड़े भर पूर्व खोदा गया गहरा गड्ढा अब बारिश के कारण जानलेवा स्थिति में पहुंच गया है। गड्ढे में करीब 8 से 10 फीट तक पानी भर जाने से राहगीरों को बेवजह खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। बताया जा रहा है कि पाइप डालने के लिए एनएच 43 के एक हिस्से में सड़क की खुदाई की गई है। खुदाई के बाद सड़क का एक हिस्सा गहरे गड्ढे में तब्दील हो गया, जबकि वाहनों के आवागमन के लिए बचा दूसरा हिस्सा वन वे जैसी स्थिति में आ गया है। ऐसे में दोनों ओर से आने-जाने वाले वाहनों के बीच टकराव का खतरा लगातार बना हुआ है। दिलचस्प पहलू यह है कि गड्ढा खोदे जाने के बाद भी पाइप डालने का कार्य लगातार जारी नहीं रह पा रहा है। अक्सर कार्य बंद रहने के कारण काम की प्रगति भी अवरुद्ध हो रही है, जबकि सड़क पर खुदाई के चलते आवागमन प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि कार्य शीघ्र पूरा कर सड़क को पूर्व स्थिति में बहाल कर दिया जाता तो राहगीरों को हो रही परेशानी से राहत मिल सकती थी।बारिश ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। गड्ढे में पानी भरने के कारण राहगीरों को यह पता नहीं चल पा रहा है कि पानी के नीचे गड्ढा कितना गहरा है। रात के समय स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। तेज रफ्तार में आने वाले वाहन चालकों को यदि समय रहते खतरे का अंदाजा नहीं हुआ तो बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक सड़क पर निर्माण कार्य और गहरे गड्ढे की जानकारी देने के लिए उचित एवं पर्याप्त संकेतक बोर्ड व घेराव उचित रूप से नहीं लगाए गए हैं। जो संकेतक लगाए गए हैं, वे भी राहगीरों को पर्याप्त दूरी से स्पष्ट रूप से सावधान करने के लिए पर्याप्त नजर नहीं आते। ऐसे में वाहन चालक अचानक गड्ढे के करीब पहुंच जाते हैं और दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। खासकर रात, बारिश और धुंधली दृश्यता के दौरान यह स्थिति और गंभीर हो सकती है। सड़क का एक हिस्सा बंद होने और दूसरा हिस्सा सीमित आवागमन के लिए बचने के कारण आमने-सामने आने वाले वाहनों को निकलने में भी परेशानी हो रही है। ज्ञात हो कि एनएच 43 पहले से ही बारिश के कारण जगह-जगह छोटे-बड़े गड्ढों से प्रभावित है। ऐसे में पाइप लाइन के लिए बीच सड़क की गई खुदाई ने राहगीरों की परेशानी और बढ़ा दी है। दोपहिया वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ रही है। सामने से वाहन आने पर गड्ढे से बचते हुए अचानक दिशा बदलने की स्थिति में फिसलने और दुर्घटना का खतरा बना रहता है। रांगपारा और आसपास के ग्रामीणों में विभागीय कार्य की धीमी गति और सुरक्षा इंतजामों को लेकर नाराजगी है। लोगों का कहना है कि सड़क पर खुदाई करना जरूरी है तो कार्यस्थल की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी संबंधित विभाग की है। गहरे और पानी से भरे गड्ढे को पखवाड़े भर से खुला छोड़ना तथा पर्याप्त संकेतक व्यवस्था नहीं करना किसी बड़े हादसे को न्योता देने जैसा है।

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मांग की है कि मौके का तत्काल निरीक्षण कर गड्ढे के चारों ओर मजबूत बैरिकेडिंग की जाए, पर्याप्त चेतावनी एवं संकेतक बोर्ड लगाए जाएं, रात में दिखाई देने वाले रिफ्लेक्टर की व्यवस्था की जाए तथा पाइप लाइन का कार्य तेज गति से पूरा कर सड़क को शीघ्र व्यवस्थित रूप से बहाल किया जाए। साथ ही बारिश की वजह से गहरे गड्ढे के बगल से गुजरने की वजह से सड़क किनारे हुए गड्ढे को भी बराबर कराया जाए। लोगों का कहना है कि प्रशासन और संबंधित विभाग को किसी बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय तत्काल कदम उठाने चाहिए, क्योंकि एनएच 43 पर यह गहरा और पानी से भरा गड्ढा फिलहाल राहगीरों के लिए गंभीर खतरे का सबब बना हुआ है। बताया जा रहा है कि एनएच विभाग द्वारा टाटा मोटर्स अजबनगर से हनुमान मंदिर पार्वतीपुर तक दस पाइप डलवाए जाने का प्रस्ताव है।

अम्बिकापुर-जबलपुर-अम्बिकापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का विस्तार मदन महल स्टेशन तक

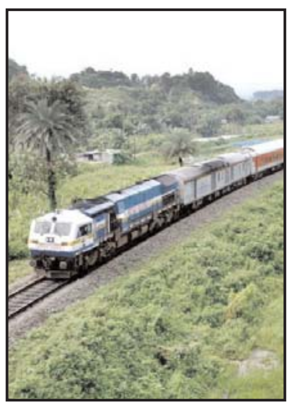

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रबंधन ने ट्रेन संख्या 11266/11265 अम्बिकापुर-जबलपुर-अम्बिकापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का विस्तार मदन महल स्टेशन तक 17 अगस्त से कर दिया गया है। रेल प्रबंधन ने इस हेतु पत्र भी जारी कर दिया है।अब विस्तार के बाद अम्बिकापुर-मदन महल स्टेशनों के मध्य गाडी का समय-सारिणी इस प्रकार रहेगा। गाड़ी संख्या 11266 अम्बिकापुर-मदन महल इंटरसिटी एक्सप्रेस 17 अगस्त से अम्बिकापुर स्टेशन से रोजाना प्रातः 6.15 बजे रवाना होगी तथा जबलपुर स्टेशन आगमन दोपहर 14.55 बजे, प्रस्थान 15 बजे एवं मदन महल स्टेशन 15.20 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 11265 मदन महल-अम्बिकापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस 17 अगस्त से मदन महल स्टेशन से 12.25 बजे रवाना होगी तथा जबलपुर आगमन 12.35 बजे, प्रस्थान 12.45 बजे एवं अम्बिकापुर स्टेशन 23 बजे पहुंचेगी।

हाथियों की दस्तक पहले से थी, फिर क्यों नहीं चेता वन विभाग

★ शिवपुर में ग्रामीण की मौत ★ रामानुजगंज वन परिक्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। वन परिक्षेत्र रामानुजगंज के ग्राम शिवपुर में रविवार सुबह नर हाथी के हमले में 69 वर्षीय ग्रामीण इन्द्रनाथ सिंह की मौत हो गई। इन्द्रनाथ सिंह सुबह करीब 5.30 बजे

भैंस चराने जंगल की ओर गए थे। इसी दौरान उनका सामना नर हाथी से हो गया और हाथी ने उन पर हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए रामानुजगंज स्थित 100 बिस्तरीय अस्पताल भेजा। घटना के बाद शिवपुर सहित आसपास के गांवों में हाथी की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों में भय का माहौल है। वहीं परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है वहीं पूरा परिवार रोता विलकता नजर आ रहा है पीड़ित परिवार का पीड़ा देखकर ग्रामीणों के आंखें भी नाम हो गई। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण रामानुजगंज वन परिक्षेत्र में हाथियों की आवाजाही कोई नई बात नहीं है। इसके बावजूद ग्रामीणों का आरोप है कि हाथियों की मौजूदगी के दौरान समय रहते प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता बरतने के बजाय विभाग की सक्रियता अक्सर किसी अनहोनी के बाद दिखाई देती है। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों की गतिविधियों की नियमित निगरानी,संवेदनशील गांवों में समय पर सूचना और लोगों को जंगल से दूर रखने के ठोस इंतजाम लगातार होने चाहिए,ताकि ऐसी घटनाओं को टाला जा सके।

ग्रामीणों के बीच यह भी चर्चा है कि वन परिक्षेत्र में तैनात कुछ जिम्मेदार अधिकारी अपने कार्यक्षेत्र में नियमित भ्रमण और निगरानी के बजाय मुख्यालय से बाहर अधिक समय बिताते हैं। आरोप है कि सरकारी वाहन का इस्तेमाल कर अधिकारियों के बलरामपुर आने-जाने का सिलसिला बना रहता है। हालांकि इन आरोपों की विभागीय स्तर पर पुष्टि नहीं हुई है,लेकिन यदि अधिकारी मुख्यालय से बाहर रहते हैं तो हाथी प्रभावित गांवों और जंगलों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

पूर्व की घटनाएं विभाग के लिए गंभीर चेतावनी

रामानुजगंज वन क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूर्व की घटनाएं भी विभाग के लिए गंभीर चेतावनी रही हैं। वन वाटिका में सागौन की लकड़ी काटकर ले जा रहे लोगों ने वनरक्षक पिंटू मालाकार पर हमला कर उसे घायल कर दिया था। इसके अलावा इसी वन वाटिका क्षेत्र में बिजली का तार बिछाए जाने से छह भैंसों की मौत का मामला भी सामने आया था। इस घटना में जिम्मेदार लोगों का पता लगाने और कार्रवाई को लेकर भी ग्रामीणों के बीच असंतोष रहा है।

बढ़ सकती है मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं

लगातार सामने आ रही घटनाओं के बीच अब इन्द्रनाथ सिंह की मौत ने वन विभाग की निगरानी और ग्रामीण सुरक्षा व्यवस्था पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाथियों की मौजूदगी वाले क्षेत्रों में केवल घटना के बाद पहुंचने के बजाय पहले से निगरानी,ग्रामीणों को अलर्ट करने,संवेदनशील इलाकों की पहचान और वन अमले की नियमित गश्त सुनिश्चित करना जरूरी है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि विभाग ने समय रहते ठोस व्यवस्था नहीं की तो रामानुजगंज वन परिक्षेत्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं और बढ़ सकती हैं।

नागपंचमी पर गूंजा हर-हर महादेव, रेण नदी से रामेश्वरम मंदिर तक निकली भव्य कांवर यात्रा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। श्रावण मास के तीसरे सोमवार एवं नागपंचमी के अवसर पर कोयलांचल एक बार फिर भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर नजर आया। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं दुर्गा वाहिनी के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुरूप इस वर्ष भी भव्य कांवर यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक शामिल होकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और धार्मिक आयोजन को भक्तिमय बना दिया। कांवर यात्रा की शुरुआत रेण नदी तट से हुई। यहां श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर मां रेणुका नदी का स्मरण करते हुए पवित्र जल कांवर में भरा। इसके बाद श्रद्धालु कांवर लेकर भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए केनापारा स्थित

रामेश्वरम शिव मंदिर की ओर रवाना हुए। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में हर-हर महादेव, बम-बम भोले के जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा। इस वर्ष भी कांवर यात्रा को और अधिक आकर्षक एवं भक्तिमय बनाने के लिए आयोजन समिति द्वारा विशेष तैयारियां की गई थीं। यात्रा में भगवान भोलेनाथ की विभिन्न कलाओं एवं स्वरूपों का प्रदर्शन कराया गया। इसके साथ ही धूमाल की विशेष व्यवस्था की गई थी। धार्मिक उत्साह और रंग-बिरंगी सजावट ने यात्रा को देखते ही देखते एक भव्य धार्मिक उत्सव का रूप दे दिया। एनएच 43 पर कांवर यात्रा के मार्ग में श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए विभिन्न स्थानों पर लोगों ने विशेष व्यवस्था की थी। कांवरियों को पेयजल एवं प्रसाद वितरित किया गया। कई स्थानों पर भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें कांवरियों सहित आम श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। स्थानीय लोगों द्वारा कांवरियों का पुष्पवर्षा एवं जयकारों के साथ स्वागत किया गया। लंबी यात्रा पूरी करने के बाद कांवरिए केनापारा स्थित रामेश्वरम शिव मंदिर पहुंचे, जहां विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में भी पूरे समय भक्तिमय माहौल बना रहा। कांवर यात्रा में युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। यात्रा को लेकर कोयलांचल क्षेत्र में सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा। श्रावण मास, सोमवार और नागपंचमी के संयोग ने आयोजन की धार्मिक महत्ता को और बढ़ा दिया।

घर के सामने अनुपयोगी कुएं में मिला 37 वर्षीय युवक का शव, दो दिन से था लापता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत करंजी में उस समय सनसनी फैल गई, जब सोमवार की सुबह घर के सामने स्थित एक अनुपयोगी कुएं से 37 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान करंजी निवासी 37 वर्षीय सुबस यादव पिता पवन यादव के रूप में हुई है। करंजी पुलिस ने बताया कि सुबस यादव शनिवार की रात घर से निकला था, इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटा। परिजन और आसपास के लोग उसकी तलाश कर रहे थे। इसी बीच सोमवार की सुबह घर के सामने स्थित पन्ने लाल राजवाड़े के अनुपयोगी कुएं में उसका शव दिखाई देने पर घटना की जानकारी पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही करंजी चौकी प्रभारी विशाल मिश्रा व डीडीआरएफ सुरजपुर की टीम मौके पर पहुंची। डीडीआरएफ सूरजपुर की टीम ने आवश्यक सावधानी के साथ शव को कुएं से बाहर निकाला। ग्रामीणों के अनुसार मृतक शराब पीने का आदी था और अक्सर नशे की हालत में रहता था। आशंका जताई जा रही है कि शनिवार की रात किसी वजह से वह कुएं के पास पहुंचा होगा और असावधानीवश उसमें गिर गया। हालांकि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका वास्तविक कारण पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।पुलिस ने शव को बाहर निकलवाने के बाद विवेचना शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट होने की उम्मीद है।अचानक हुई इस घटना से परिजन सदमे में हैं।

हाथ से लिखकर फर्जी पीएनआर वाले टिकट बनाने वाले अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। रेलवे आरक्षित टिकटों की अवैध खरीद-बिक्री के मामले में रेलवे सुरक्षा बल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि बैकुंठपुर स्थित सीटी पीआरएस काउंटर से खाली टिकटों पर हाथ से पीएनआर नंबर और अन्य जानकारी लिखकर टिकट तैयार किए जाते थे। इसके बाद इन्हें अधिक कीमत पर ग्राहकों को बेचा जाता था। कार्रवाई के दौरान 60 तत्काल एवं सामान्य आरक्षित रेल टिकटों के स्क्रीनशॉट जब्त किए गए, जिसकी कीमत करीब 3 लाख 68 हजार 351 रुपए बताई गई है। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त बिलासपुर के निर्देश पर आरपीएफ निरीक्षक सुनीता मिंज द्वारा मामले की जांच की गई। जांच अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि 1 अगस्त 2026 को सीटी पीआरएस बैकुंठपुर के काउंटर से जारी एक खाली टिकट पर पेन से पीएनआर नंबर एवं अन्य जानकारी लिखी गई थी। यह टिकट इलाहाबाद जंक्शन में जांच के दौरान पकड़ा गया था। सिस्टम में पीएनआर नंबर की जांच करने पर वह गलत पाया गया। मामले में जीआरपी जौनपुर द्वारा उक्त टिकट को जब्त कर 5 अगस्त को बीएनएस की धारा 318 (4), 319 (2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच आगे बढ़ने पर बैकुंठपुर सीटी पीआरएस में कार्यरत नगर पालिका के संविदा कर्मचारी 35 वर्षीय अविनाश कुमार पिता शंभू सिंह निवासी नवापारा सरडी थाना चरचा जिला कोरिया की भूमिका सामने आई। जांच में आरोप है कि अविनाश कुमार खाली टिकट पर हाथ से पीएनआर एवं अन्य जानकारी लिखकर टिकट तैयार करता था और इन्हें 48 वर्षीय संजय कुमार विश्वकर्मा पिता अमरनाथ

विश्वकर्मा निवासी वार्ड नंबर 21 मोहल्ला पिरखापुर थाना व जिला भदोही उत्तर प्रदेश को भेजता था। पूछताछ में अविनाश कुमार द्वारा टिकट तैयार कर बस के माध्यम से बनारस भेजने तथा इसके बदले प्रति व्यक्ति 400 रुपए कमीशन लेने की बात स्वीकार किए जाने की जानकारी सामने आई। वहीं संजय कुमार विश्वकर्मा ने टिकट प्राप्त कर अलग-अलग ग्राहकों को बेचने और प्रति टिकट 600 से 800 रुपए तक लाभ कमाने की बात स्वीकार की। जांच के दौरान संजय कुमार के मोबाइल फोन की व्हाट्सऐप चैट की जांच में 60 तत्काल एवं सामान्य रेलवे आरक्षित टिकटों से संबंधित जानकारी मिली। इनमें 14 टिकट ऐसे पाए गए, जिन पर हाथ से पीएनआर नंबर एवं अन्य विवरण लिखे गए थे और जिन्हें अविनाश कुमार के मोबाइल से भेजा गया था। पूछताछ में अविनाश ने काउंटर से तत्काल टिकट बनाने तथा 14 टिकट हाथ से लिखकर संजय कुमार को उपलब्ध कराने की बात स्वीकार की। जांच अधिकारियों द्वारा दोनों से रेलवे आरक्षित टिकटों की खरीद-बिक्री के लिए वैध अधिकार पत्र की मांग की गई लेकिन दोनों आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पूछताछ में अवैध रूप से रेल आरक्षण टिकटों की खरीद-बिक्री कर अतिरिक्त रकम वसूलने की बात सामने आई। इसके बाद मोबाइल फोन से 60 तत्काल रेलवे आरक्षित टिकटों के स्क्रीनशॉट निकालकर जब्त किए गए। इन टिकटों की कुल कीमत 368351 रुपए बताई गई है। मामले में रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर 16 अगस्त को धारा 143 रेलवे एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कार्रवाई के बाद उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार दोनों आरोपियों को जमानत का लाभ दिया गया। मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी अभी बाकी है और जांच जा रही है।

रातोंरात खड़ा किया अतिक्रमण, सुबह एसईसीएल की सुरक्षा टीम ने ढहा दिया

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की जेएमक्यू कॉलोनी के समीप रातोंरात किए गए अवैध अतिक्रमण पर सोमवार को प्रबंधन ने कार्रवाई करते हुए उसे ध्वस्त कर दिया। क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी श्यामसुंदर रात्रे के नेतृत्व में पहुंची सुरक्षा टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण को गिरा दिया। जानकारी के अनुसार जेएमक्यू कॉलोनी के समीप एसईसीएल की लीज भूमि पर रात के अंधेरे में कथित तौर पर अतिक्रमण कर निर्माण की कोशिश की गई थी। इसकी जानकारी मिलने के बाद एसईसीएल की सुरक्षा टीम सक्रिय हुई और सोमवार को मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण को हटा दिया। ज्ञात हो कि एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में कंपनी की लीज भूमि पर लंबे समय से अवैध कब्जे और अतिक्रमण किए जा रहे हैं। कई स्थानों पर खाली पड़ी भूमि को धीरे-धीरे घेरकर निजी उपयोग में लेने की कोशिश किए जाने की जा रही है। ऐसे में जेएमक्यू कॉलोनी के समीप रातोंरात अतिक्रमण का सामने आना

कंपनी की जमीन की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। लोगों का कहना है कि यदि कंपनी की जमीन पर प्रबंधन द्वारा लगातार नजर रखी जाए और शुरुआती स्तर पर ही अतिक्रमण रोक दिया जाए तो बड़े पैमाने पर कब्जे की स्थिति निर्मित नहीं होगी। लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने से कई बार अस्थायी कब्जे धीरे-धीरे स्थायी स्वरूप लेने लगते हैं। जेएमक्यू कॉलोनी के समीप की गई कार्रवाई भले ही एक अतिक्रमण तक सीमित रही हो, लेकिन इसने एसईसीएल की लीज भूमि की सुरक्षा और निगरानी को लेकर एक बड़ा सवाल फिर खड़ा कर दिया है।

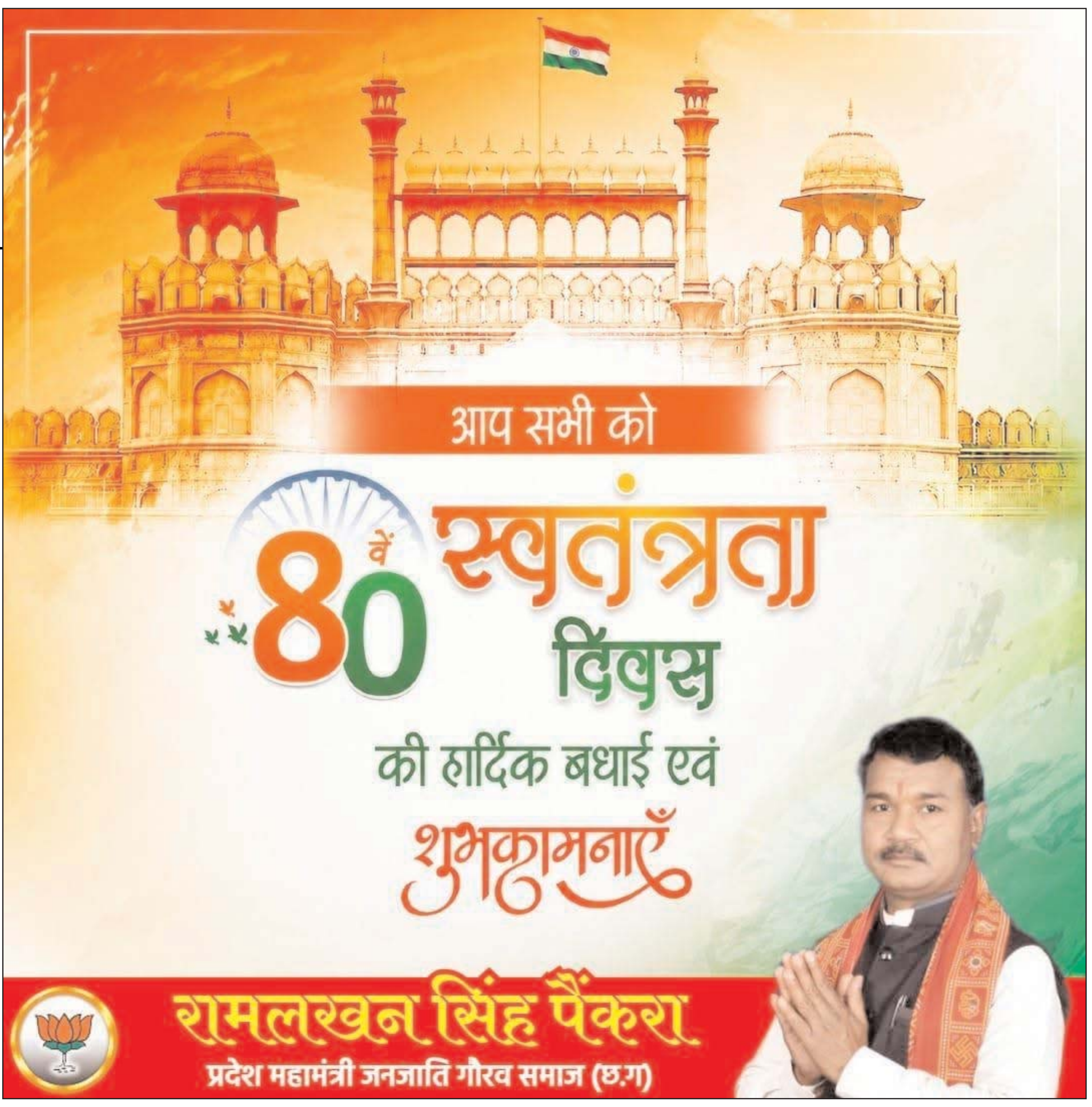

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

जिला शिक्षा अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय अम्बिकापुर, सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

उप संचालक
एवं समस्त स्टाफ, समाज कल्याण विभाग, सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

कार्यपालन अभियंता
राष्ट्रीय राजमार्ग, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

सहायक आयुक्त
आदिम जाति कल्याण विभाग अम्बिकापुर, सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

जिला मिशन समन्वयक,
समग्र शिक्षा अभियान
सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

कार्यपालन अभियंता
एवं समस्त स्टाफ लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, अम्बिकापुर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

कार्यपालन अभियंता
क्रेडा, अम्बिकापुर, सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन विभाग
जिला-सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

जिला अबकारी अधिकारी
जिला-सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

जिला खाद्य अधिकारी,
जिला-सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

वनपरीक्षेत्राधिकारी
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी
अम्बिकापुर, सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

क्षेत्रीय अधिकारी
सीएमडीसी अम्बिकापुर,
जिला-सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

वनपरिक्षेत्राधिकारी वन परिक्षेत्र उदयपुर
जिला-सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

खनिज विभाग
अम्बिकापुर, सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम,
अम्बिकापुर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

क्षेत्रीय अधिकारी
पर्यावरण अम्बिकापुर,
जिला-सरगुजा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ..

जिला कार्यक्रम अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ महिला एवं बाल विकास विभाग
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

चिंतन

बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना बेहद जरूरी

आतंकवाद की दुनिया में आजकल बंदूक से पहले विचारधारा पहुंचती है और इसका सबसे आसान निशाना बनते हैं कम उम्र के बच्चे और युवा। इंटरनेट, सोशल मीडिया और ऑनलाइन नेटवर्क ने कट्टरपंथी संगठनों को युवाओं और बच्चों तक पहुंच बनाने का आसान तरीका उपलब्ध करवाया है। इसके जरिये आतंकी और कट्टरपंथी नेटवर्क कम उम्र के बच्चों और युवाओं तक पहुंच बना रहे हैं। ऐसे में बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना बेहद जरूरी हो गया है। यह नजर जासूसी के लिए नहीं, बल्कि उन्हें गलत दिशा में जाने से रोकने के लिए होनी चाहिए। आज का बच्चा इंटरनेट की ऐसी दुनिया में बड़ा हो रहा है, जहां दोस्ती, बातचीत, मनोरंजन और जानकारी के साथ-साथ गलत विचारधाराएं और संदिग्ध नेटवर्क भी मौजूद हैं। किसी अनजान व्यक्ति का संदेश, किसी ऑनलाइन ग्रुप का निमंत्रण या लगातार मिलने वाला भावनात्मक कंटेंट धीरे-धीरे बच्चे की सोच को प्रभावित कर सकता है। हाल के मामलों ने इस खतरे को और गंभीर बना दिया है। बेंगलुरु में पश्चिम बंगाल के 23 वर्षीय युवक आसफुल मलिक की गिरफ्तारी से जुड़े आरोपों में संदिग्ध ऑनलाइन संपर्क और प्रतिबंधित आतंकी संगठन टीटीपी से संबंधों की जांच सामने आई है। उसके अफगानिस्तान जाने की कथित योजना और भारत में हिंसक गतिविधियों के लिए उकसाए जाने की भी जांच हो रही है। यह मामला यह समझने के लिए काफी है कि कट्टरपंथीकरण को केवल बच्चों की समस्या मानना गलत होगा। किशोरों के साथ-साथ 20-25 वर्ष के युवा भी इसके निशाने पर हो सकते हैं। पाकिस्तान आधारित हैंडलरों द्वारा भारतीय युवाओं को सोशल मीडिया के जरिए कथित तौर पर फंसाने की जांच भी इसी खतरे की दूसरी तस्वीर दिखाती है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर, बेरोजगार या किसी तरह की परेशानी से जूझ रहे युवाओं को पहले पैसों और मदद का लालच दिया जाता है। 12 से 25 हजार रुपये जैसी रकम से शुरुआत कर छोटे काम करवाए जाते हैं। पहले फोटो और वीडियो, फिर किसी स्थान की रेकी और आगे चलकर हिंसक गतिविधियों तक पहुंचाने की कोशिश की जाती है। यानी किसी युवा को आतंकी नेटवर्क का हिस्सा बनाने की प्रक्रिया अचानक नहीं होती, बल्कि धीरे-धीरे उसके भरोसे और कमजोरियों का इस्तेमाल किया जाता है। यहीं परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। माता-पिता को बच्चे के मोबाइल की हर गतिविधि पर शक करने के बजाय उसके डिजिटल व्यवहार को समझना चाहिए। निगरानी का मतलब बच्चे की निजता खत्म करना नहीं है। घर में संवाद का ऐसा वातावरण जरूरी है, जहां बच्चा अपनी उलझन, गुस्सा, असहमति और ऑनलाइन अनुभव खुलकर बता सके। स्कूल और कॉलेजों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। उन्हें डिजिटल साक्षरता, फर्जी जानकारी की पहचान, ऑनलाइन कट्टरपंथी प्रचार और साइबर सुरक्षा के बारे में भी जागरूक करना होगा। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को संदिग्ध ऑनलाइन नेटवर्क पर नजर रखनी होगी। किसी बच्चे के व्यवहार में बदलाव दिखे तो उसे अपराधी मानने के बजाय समझने और मदद करने की कोशिश हो। आज आतंक का खतरा केवल सड़क, सीमा या किसी संदिग्ध ठिकाने पर नहीं है। वह मोबाइल की स्क्रीन के दूसरी तरफ भी हो सकता है। इसलिए बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना अब विकल्प नहीं, समय की जरूरत है।

डिजिटल दौर

अमरनाथ सक्सेना

युवाओं के सामने उभरती चुनौतियां

भारत की 26% आबादी ऐसे लोगों की है जिनकी उम्र 15 से 29 साल के बीच है। भारत को इस बात पर गर्व है कि उसके पास युवा प्रतिभाओं की भरमार है। ये युवा डिजिटल तौर-तरीकों को अच्छी तरह से समझते हैं, वे महत्वाकांक्षी हैं और कुछ नया प्रयोग करने से लेकर नए क्षेत्रों में कदम रखने से वे हिचकिचाते नहीं हैं। वे हमारे देश को विकास के अगले स्तर तक ले जाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हालांकि इन उम्मीदों के साथ उन्हें कुछ नए तरह के जोखिमों से दो-चार होना पड़ रहा है, जिसका सामना पिछली पीढ़ी ने कभी नहीं किया था। साइबर धोखाधड़ी करने वाले अपराधी ऑनलाइन ट्रेडिंग अकाउंट को हैक कर सकते हैं, और जो शॉपिंग वेबसाइटें बेहद सुरक्षित और भरोसेमंद दिखाई देती हैं, वहां भी लोग ठगी का शिकार बन सकते हैं। इससे आर्थिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है और यह एक गंभीर समस्या का रूप भी धारण कर सकती है। गौरतलब है कि जहां टेक्नोलॉजी ने भारतीय युवाओं को सशक्त बनाया है, वहीं इसकी वजह से वे गंभीर जोखिमों के प्रति असुरक्षित भी बन गए हैं। साइबर धोखाधड़ी जैसे कि पहचान चुराना, फिशिंग अटैक और वित्तीय धोखाधड़ी जैसे अपराध दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। युवा लोग जो अक्सर ऑनलाइन लेन-देन करते हैं, डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिए निवेश करते हैं और कई पेमेंट एप्लीकेशन का इस्तेमाल करते हैं, यहां वे अक्सर साइबर अपराधों की वजह से होने वाले आर्थिक नुकसान को गंभीरता से नहीं लेते हैं।

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के अनुसार वर्ष 2021 से जून 2025 तक के बीच 65.9 लाख शिकायतें प्राप्त हुईं। कई युवा नौकरीपेशा लोग इस बात से अनजान होते हैं कि भारत में अब लोगों के लिए खास साइबर इंश्योरेंस पॉलिसियां उपलब्ध हैं। ये पॉलिसियां अनधिकृत डिजिटल लेन-देन, ऑनलाइन शॉपिंग धोखाधड़ी, पहचान चुराना, ऑनलाइन वसूली और साइबर खतरों से प्रभावित हुए डिजिटल उपकरणों को ठीक करने में होने वाले खर्चों के लिए आर्थिक मदद पेश करती हैं। जैसे-जैसे डिजिटल जीवनशैली हमारी जिंदगी का हिस्सा बनती जा रही है, वैसे-वैसे युवा पीढ़ी के लिए साइबर इंश्योरेंस भी हेल्थ इंश्योरेंस जितना ज़रूरी बनते जा रहा है। साइबर अपराधी युवाओं को कई तरह से ठगी का शिकार बना सकते हैं, इसलिए साइबर खतरों से बचने के लिए आपके पास साइबर इंश्योरेंस का होना बेहद ज़रूरी है। आज के भारतीय युवा जिस चुनौती का सामना कर रहे हैं, वह है जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां। हाल के अध्ययन पुष्टि करते हैं कि भारतीय युवाओं में डायबिटीज़, कार्डियक अरेस्ट जैसे मामले तेज़ी से बढ़ रहे हैं, जबकि पहले ये बीमारियां अधेड़ उम्र के लोगों को होती थीं। हाल की रिपोर्टों के अनुसार लगभग 18–40 साल की उम्र के 18% लोग डायबिटीज़ से जूझ रहे हैं, जबकि 25% लोग प्री-डायबिटीक हैं। इससे यह बात पता लगती है कि पहले डायबिटीज़ को अधेड़ उम्र में होने वाला रोग माना जाता था, लेकिन अब यह विचारधारा बदल रही है। अध्ययन दर्शाते हैं कि 40 साल से कम उम्र के लोगों में कार्डियक के मामले बढ़ रहे हैं, जो कि गंभीर चिंता का विषय है। इन बीमारियों के बढ़ते मामलों को देखते हुए, युवाओं के लिए बेहद ज़रूरी है कि वे अपने लिए एक ज़बरदस्त हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी ज़रूर चुनें। और तो और युवाओं के लिए यह भी ज़रूरी है कि वे इसे कम से कम उम्र में लें, ताकि सेहतमंद रहते हुए वे पॉलिसी की प्रतीक्षा अवधि पूरी कर लें। इससे यह बात भी पक्की हो जाएगी कि उन्हें फटाफट कवरेज मिलेगा और जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा ज़रूरत होगी, तब वे इसे अच्छी तरह से इस्तेमाल कर पाएंगे। संक्षेप में, इस डिजिटल दौर में भारत के युवा दर्शाते हैं कि वे इस देश की सबसे बड़ी ताकत तो हैं, लेकिन सबसे ज्यादा साइबर खतरों का सामना भी इसी वर्ग को करना पड़ता है। जहां स्मार्टफोन और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म शिक्षा, करियर और दुनिया से संपर्क बनाने के लिए नए-नए अवसर पेश कर रहे हैं, वहीं इन्हीं के ज़रिए भारतीय युवा साइबर धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, मानसिक स्वास्थ्य की समस्या और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे गंभीर खतरों का सामना भी कर रहे हैं। इन सभी बिंदुओं को देखते हुए पता लगता है कि इन युवाओं को साइबर इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस दोनों में निवेश करना चाहिए, ताकि वे न केवल डिजिटल धोखाधड़ी से सुरक्षित रहें, बल्कि उनकी सेहत की भी सुरक्षा हो। इससे भारतीय युवा अचानक से आने वाले किसी भी साइबर खतरे से सुरक्षित रहने के साथ-साथ अपनी आकांक्षाएं भी आसानी से पूरी कर पाएंगे।

(लेखक चीफ टेक्निकल ऑफिसर-बजाज जनरल इंश्योरेंस हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विकराल हो रहा जलवायु परिवर्तन संकट

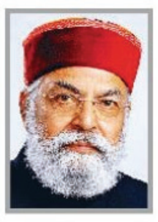

पर्यावरण

ज्ञानेन्द्र रावत

जलवायु परिवर्तन का संकट अब दिनोंदिन जानलेवा होता जा रहा है। दरअसल दुनिया में ऊर्जा की जरूरत पूरा करने के लिए कोयला, तेल और गैस का जो बेतहाशा इस्तेमाल हो रहा है, उससे होने वाले उत्सर्जन से जलवायु लक्ष्यों की पूर्ति असंभव है। तापमान बढ़ोतरी डेढ़ डिग्री सीमित रखने के लिए 2030 तक अपने उत्सर्जन को आधा करने के लक्ष्य की दिशा में कोई कारगर पहल न होने के परिणाम दिनोंदिन और भयावह होते जा रहे हैं। फिर जलवायु परिवर्तन की विभीषिका की रोकथाम के लिए बनी वैश्विक सहमति भी बीते सालों में कमजोर पड़ी है। इसके साथ-साथ वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के स्तर में हो रही बढ़ोतरी ने चुनौतियों को और बढ़ा दिया है।

जलवायु परिवर्तन का संकट अब दिनोंदिन जानलेवा होता जा रहा है। दरअसल दुनिया में ऊर्जा की जरूरत पूरा करने के लिए कोयला, तेल और गैस का जो बेतहाशा इस्तेमाल हो रहा है, उससे होने वाले उत्सर्जन से जलवायु लक्ष्यों की पूर्ति असंभव है। तापमान बढ़ोतरी डेढ़ डिग्री सीमित रखने के लिए 2030 तक अपने उत्सर्जन को आधा करने के लक्ष्य की दिशा में कोई कारगर पहल न होने के परिणाम दिनोंदिन और भयावह होते जा रहे हैं। फिर जलवायु परिवर्तन की विभीषिका की रोकथाम के लिए बनी वैश्विक सहमति भी बीते सालों में कमजोर पड़ी है। इसके साथ-साथ वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के स्तर में हो रही बढ़ोतरी ने चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि धरती की गर्म सांसों के चलते ऋतुओं की लय बिगड़ती चली जा रही है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि जलवायु परिवर्तन से न केवल मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, उसकी सेहत पर आयेदिन खतरा बढ़ता जा रहा है, बच्चों का भविष्य छिनता जा रहा है, वह लोगों में अकेलापन बढ़ा रहा है, महिलाओं पर गंभीर असर डाल रहा है, दुनिया की बहुमूल्य धरोहरों के अस्तित्व के संकट को बढ़ा रहा है, साथ ही वह दुनिया की हजारों पौध-प्रजातियों के घर ही नहीं छीन रहा है बल्कि उन पर विलुप्ति का खतरा भी मंडराने लगा है।

दुनिया के हालिया शोध और अध्ययन इसके जीते-जागते सबूत हैं। वैश्विक तापमान में लगातार हो रही वृद्धि आने वाले समय में आशंकित विकट परिस्थितियों को लेकर चिंतायें बढ़ाती जा रही हैं। सबसे बड़ी चिंता इस बात की है और एक अध्ययन में इस बात का खुलासा भी हुआ है कि यदि तापमान वृद्धि की दर इसी तरह बढ़ती रही तो साल 2085 तक भूमि पर एक तिहाई से ज्यादा जीव आवास यानी एनिमल हैबिटेट जलवायु परिवर्तन के कारण हीटवेव (लू) या जंगल में आग लगने जैसी चरम घटनाओं की चपेट में आ सकते हैं। यही नहीं, जलवायु परिवर्तन की रफ्तार यही बरकरार रही तो इस सदी के आखिर तक दुनिया की हजारों पौध-प्रजातियां अपने प्राकृतिक आवास के बड़े हिस्से से न केवल महरूम हो जाएंगी, बल्कि बहुतेरी पौध-प्रजातियों का अस्तित्व ही समाप्त हे जाएगा। यह संकट तेजी से शून्य उत्सर्जन की दिशा में कदम उठाने से इन दुष्प्रभावों को काफी हद तक टाला जा सकता है। जर्मनी की पाट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इंफैक्ट रिसर्च के शोधकर्ताओं का मानना है कि जलवायु परिवर्तन और विशेष रूप से चरम घटनाओं संरक्षण योजना के संदर्भ में अभी भी बहुत कम आंका जा रहा है। यह केवल कई बरसों में तापमान का धीरे-धीरे बदलाव नहीं होगा। कई चरम घटनायें संयुक्त प्रभाव डाल सकती हैं और जैव विविधता के लिए सहकारी खतरे का निर्माण कर सकती हैं। दरअसल दुनियाभर में बढ़ता तापमान अब सिर्फ इंसान और जानवरों के लिए ही नहीं, बल्कि ऋतुओं के लिए भी खतरनाक बनता जा रहा है। धरती के वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों का स्तर आज उस मुकाम पर आ पहुंच गया है जो मानव इतिहास में कभी नहीं रहा। यदि हमने समय रहते कड़े कदम नहीं उठाये, तो दुनिया के संवेदनशील क्षेत्रों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचाना मुश्किल हो जाएगा और ऋतुचक्र जो मानव सभ्यता के फलने-फूलने का आधार

था, पूरी तरह नष्ट हो जाएगा। जहां तक भारत का सवाल है, हमारी पारंपरिक पहचान उसके विविध ऋतुचक्र से रही है। पर अब यह चक्र टूट रहा है। इसका अहम कारण जलवायु परिवर्तन है। धरती की गर्म सांसों के चलते ऋतुओं की लय बिगड़ती जा रही है। मौसम का यह बदला हुआ मिजाज केवल आंकड़ों तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह अब आम आदमी की जीवन शैली को भी गहरे तक प्रभावित कर बदल रहा है। मानसून का समय अनिश्चित है। बेमौसम वर्षा से फसलें बर्बाद हो रही हैं। नतीजतन कृषि घाटा बढ़ता जा रहा है। सच्चाई यह है कि जलवायु परिवर्तन ने भारत के भौगोलिक पैटर्न को ही बदल दिया है। जो घटनाएं पहले बरसों में एक आध बार होती थीं, वे अब सामान्य यानी आए दिन होने लग गई हैं। राजस्थान और लेह जैसे शुष्क और रेगिस्तानी इलाकों में अब बाढ़ आना आम बात हो गई है। पहाड़ी राज्यों और हिमालयी इलाकों में सालभर तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। इसके दुष्परिणाम स्वरूप ग्लेशियरों के पिघलने और पारिस्थितिक तंत्र के बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया है। निष्कर्ष यह कि अब देश में ऋतुओं का आपस में विलय हो रहा है। सर्दी, गर्मी और बारिश के बीच की स्पष्ट रेखायें अब धुंधली पड़ने लगी हैं। दरअसल तापमान बढ़ोतरी की दर यदि 1.5 डिग्री तक न रोकी गई तो इसकी सबसे ज्यादा बड़ी कीमत भारत को चुकानी होगी। भारत के लगभग 60 करोड़ लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा। तापमान बढ़ने से मिट्टी तेजी से सूखने लगेगी। उस दशा में मिट्टी की नमी बरकरार रखने के लिए अधिकाधिक तादाद में भूजल निकालना होगा। परिणामस्वरूप भूजल स्रोत सूखने के कगार पर पहुंच जाएंगे। चूंकि हमारा देश गेहूं व धान का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, ऐसी स्थिति में भूजल के सूखने के चलते गेहूं और धान की फसल पर बुरा असर पड़ेगा। यही नहीं, मत्स्य पालन, बागवानी और पशुपालन पर भी असर पड़े बिना नहीं रहेगा। यहां इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता कि तापमान में एक फीसदी की बढ़ोतरी बादलों में सात फीसदी से ज्यादा पानी भर देगा। नतीजतन बादल फटेंगे और उस दशा में बाढ़ और भूस्खलन की भयावहता का खतरा बढ़ेगा। वैज्ञानिकों की राय है कि ग्लेशियर के पिघलने से भूस्खलन का खतरा बना रहता है। इनके सूख जाने पर गंगा जैसी सदानीरा नदियों के बरसाती नदी के रूप में तब्दील होने और आसन्न जल संकट की विकरालता से कभी भी दो चार होना पड़ सकता है। यदि बीते सालों में किए गए सर्वेक्षणों की मानें तो भारत के 85 फीसदी लोग जलवायु परिवर्तन से चिंतित हैं और 87 फीसदी चाहते हैं कि उसकी रोकथाम के शीघ्र उपाय किए जाने चाहिए। वैश्विक तापमान को अगले सौ वर्षों में डेढ डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं बढ़ने देने का लक्ष्य हासिल कर लेने के बावजूद विश्व के संवेदनशील क्षेत्रों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचा पाना आसान नहीं होगा। ऐसी स्थिति में भारत को विभिन्न क्षेत्रों के लिए अपने उत्सर्जन लक्ष्य नए सिरे से तय करने की जरूरत है। जबकि क्लाइमेट ट्रांसपेरेंसी की रिपोर्ट की मानें तो 2030 तक भारत के ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी करीब करीब दोगुने की बढ़ोतरी होने की आशंका है। फिर जलवायु परिवर्तन से वेलकम ट्रस्ट और क्लाइमेट ओपिनियन रिसर्च के अध्ययन द्वारा सेहत पर होने वाले भयावह खतरे की चेतावनी ने चिंता को और बढ़ा दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण की चिंता नहीं रह गया है, बल्कि यह अब लोगों के शरीर, उनकी सांस, उनके बच्चों की सेहत की चिंताओं तक पहुंच गया है। इसलिए जीवन शैली में बदलाव समय की महती आवश्यकता है, तभी हम जलवायु परिवर्तन के दानव से कुछ हद तक मुकाबला कर पाने में कामयाब हो सकते हैं।

(लेखक पर्यावरणविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं

आज के समय में लोग हर बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देना चाहते हैं। सोशल मीडिया से लेकर निजी जीवन तक अपनी बात साबित करने की होड़ लगी रहती है। लेकिन कई बार ज्यादा बोलना रिश्तों में दूरी, मन में तनाव और निर्णयों में जल्दबाजी का कारण बन जाता है। श्रीमद्भगवद्गीता हमें याद दिलाता है कि मौन अक्सर वह प्रकट कर देता है, जिसे शोर कभी नहीं कर सकता है। इसका मतलब हमेशा चुप रहना नहीं, बल्कि सही समय पर रखा गया

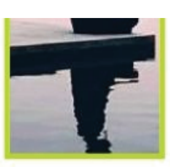

मौन कई बार सबसे प्रभावशाली उत्तर बन जाता है। बहुत से लोग मानते हैं कि चुप रहना कमजोरी का संकेत है, लेकिन गीता का संदेश इससे बिल्कुल अलग है। जब व्यक्ति बिना क्रोध, अहंकार या आवेश के शांत रह पाता है, तो यह उसके आत्मसंयम को दर्शाता है। हर बात पर प्रतिक्रिया देने के बजाय धैर्य रखना मानसिक परिपक्वता की निशानी है। ऐसा व्यक्ति परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझ पाता है और जल्दबाजी में गलत निर्णय लेने से बच जाता है। मौन रखने वाला व्यक्ति भीतर से मजबूत होता है। जब मन क्रोध, चिंता या भ्रम से भरा होता है, तब सही और गलत का अंतर समझना कठिन हो जाता है। लेकिन कुछ पल का मौन मन को स्थिर कर देता है। शांत वातावरण में व्यक्ति अपने विचारों को स्पष्ट रूप से देख पाता है और बिना भावनाओं में बहकर निर्णय लेता है। यही कारण है कि जीवन के महत्वपूर्ण फैसलों में धैर्य और शांति को हमेशा महत्व दिया गया है। शांत मन से लिया गया निर्णय लंबे समय तक सही साबित होता है।

संकलित

दर्शन

एकाग्रता ही ज्ञान की असली कुंजी

विद्यार्थी जीवन सिर्फ किताबें रटने या अच्छे अंक लाने का समय नहीं होता है। यह वह उम्र है जब सोच, आदतें, हिम्मत और व्यक्तित्व बनते हैं। आज के समय में मोबाइल, सोशल मीडिया और परीक्षा के दबाव के बीच कई स्टूडेंट्स ध्यान खो देते हैं और तनाव के शिकार हो जाते हैं। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को अपनी भीतरी ताकत पहचानने, मन को एक जगह टिकाने और मजबूत चरित्र बनाने की सीख दी थी। उनकी बातें आज भी हर विद्यार्थी के लिए

सफलता का आसान रास्ता दिखाती हैं। स्वामी विवेकानंद मानते थे कि मन को एक जगह केंद्रित करना ही शिक्षा का सार है। वे कहते थे कि एकाग्रता की शक्ति ज्ञान के खजाने की चाबी है। आजकल पढ़ाई करते समय बार-बार फोन देखने या सोशल मीडिया घूमने से मन बिखर जाता है। अगर कुछ देर के लिए मोबाइल दूर रखकर सिर्फ एक काम पर पूरा ध्यान दिया जाए, तो आसानी विषय समझ में आता है और याद भी हो जाता है। रोज थोड़ा अभ्यास करने से मन मजबूत होता है। एकाग्रता बढ़ाने वाला विद्यार्थी किसी भी विषय को आसानी से सीख लेता है और सफलता उसके करीब आ जाती है। परीक्षा या भविष्य की चिंता अक्सर विद्यार्थियों का आत्मविश्वास घटा देती है। स्वामी विवेकानंद ने हमेशा कहा कि खुद पर विश्वास सबसे जरूरी है। डर को छोड़कर आगे बढ़ने वाला व्यक्ति मुश्किलों में भी रास्ता ढूंढ लेता है। असफलता आ जाए, तो हार मानने के बजाय फिर से कोशिश करने का साहस रखना चाहिए। जो विद्यार्थी अपनी क्षमता पर भरोसा रखता है वह दबाव में भी शांत रहता है।

संकलित

प्रेरणा

अंतर्मन

आज की पाती

साइबर क्राइम के बढ़ते कदम रोकने होंगे

जिस गति से साइबर क्राइम बढ़ रहा है, यह आम आदमी के लिए एक मुसीबत बन गई है और लुटेरों के लिए जैसे मनोरंजन और लॉटरी लगी है। हैरानी इस बात की है कि इस मर्ज की दवा किसी के पास नहीं। किसी को जब चाहें, अपराधी बंधक बना कर सब कुछ लूट लेते हैं और उनका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकते। देश में बड़ी संख्या में लोग इस क्राइम के शिकार हो रहे हैं। यह अत्यंत गंभीर समस्या है और इससे आंख नहीं फेरी जा सकती। जहां डिजिटलाइजेशन के अनेक लाभ हैं, इससे कई गुणा हानियां भी हैं। द्वंद्व यह है कि इसे अपनाएं या नहीं? इस पर सभी को गंभीरता एवं शीघ्रता से समाधान निकालना होगा। आज नहीं तो कल हर कोई इसका शिकार होगा। यह एक चुनौती भी है। सभी को सचेत रहना होगा। *- मोहन लाल यादव, रायपुर*

ट्रेंड

वाजपेयी को श्रद्धांजलि

अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर रहा हूँ। अद्भुत दूरदर्शिता वाले एक असाधारण राजनेता के तौर पर, उन्होंने अपना जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया। उनके विचारों ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया और उनके नेतृत्व ने हमारे देश को मजबूत बनाया।
- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

सरकार का सामना

भारत के युवाओं ने जिस हिम्मत और मजबूती के साथ मोदी जी की हिंसक सरकार का सामना किया है और जवाबदेही की मांग की है, वह तारीफ़ के काबिल है। उन्होंने शांति, प्यार और मजाक-मजाक में अपनी आवाज उठाई।
- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

दिव्यास्त्र एमके3

डीजी प्रोपल्शन के स्वदेशी जेट इंजन से चलने वाले 'दिव्यास्त्र एमके3' की सफल पहली उड़ान, 100% स्वदेशी जेट-पावर्ड 'लोइटरिंग म्यूनिशन' की दिशा में एक अहम कदम है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हमारे इनोवेटर्स और इंजीनियरों को बधाई।
- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

युवाओं की ऊर्जा

हमारी सरकार युवाओं की ऊर्जा को नई दिशा देने के लिए लगातार काम कर रही है और उन्हें कौशल, स्वरोजगार और खेल-कूद से जोड़ रही है। इसी संकल्प के साथ, वर्ष 2027 को 'युवा वर्ष' घोषित किया है।
- **डॉ. मोहन यादव,** सीएम, मध्यप्रदेश

करंट अफेयर

आर्कटिक रूट : चीन नई चाल से बदलने चला समुद्री कारोबार

पिछले कुछ सालों में लाल सागर, स्वेज नहर और दूसरे समुद्री रास्तों पर युद्ध और तनाव ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि अगर एक समुद्री रास्ता बंद हुआ तो हजारों जहाजों का रास्ता बदल सकता है। अब चीन ने दक्षिण के जोखिम भरे रास्ते की जगह 20 दिन में यूरोप पहुंचने वाला आर्कटिक समुद्री रास्ता इस्तेमाल करने का फैसला किया है। अभी चीन से यूरोप जाने वाले बड़े कंटेनर जहाजों को आमतौर पर दक्षिण की ओर जाना पड़ता है। हिंद महासागर, अरब सागर, लाल सागर और फिर स्वेज नहर के जरिए भूमध्य सागर पार करके यूरोप पहुंचा जाता है लेकिन उत्तरी जल मार्ग में रास्ता उल्टा है। जहाज चीन के उत्तरी हिस्से से निकलकर रूस के साइबेरियाई तट के ऊपर से आर्कटिक महासागर में जाते हैं और फिर यूरोप की तरफ नीचे आते हैं यानी दुनिया के नक्शे पर चीन से यूरोप जाने के लिए जो रास्ता नीचे की तरफ जाता है, उसकी जगह चीन अब ऊपर से जाने वाला रास्ता तलाश रहा है। चीन लंबे समय से इस बात को लेकर चिंतित रहा है कि उसके व्यापार और ऊर्जा आयात का बड़ा हिस्सा कुछ समुद्री रास्तों पर निर्भर है। इसे चीन की मलक्का दुविधा से भी जोड़कर देखा जा सकता है। मलक्का एशिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक है।

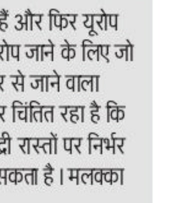

ऑफ बीट

तिरंगे के साथ 13 हजार फीट से छलांग, रचा इतिहास

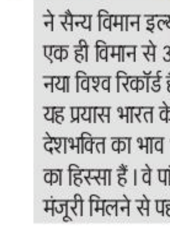

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रहने वाले तीन भारतीय उन 65 स्काईडाइवर्स में शामिल रहे, जिन्होंने लीबिया में 13,000 फीट की ऊंचाई से एक साथ छलांग लगाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। सभी स्काईडाइवर्स अपने-अपने देशों के राष्ट्रीय ध्वज लेकर विमान से कूदे थे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने 14 अगस्त को इस उपलब्धि की आधिकारिक पुष्टि की। रिपोर्ट के मुताबिक केरल के कन्नूर निवासी जमशीर थनालोट, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर निवासी अभिषेक रावत और बिहार के पटना की ईशा राज इस अभियान में शामिल तीन भारतीय थे। यह रिकॉर्ड सात अगस्त को बनाया गया। इस दौरान करीब 38 देशों के स्काईडाइवर्स ने सैन्य विमान इल्यूशिन इल-76टीडी से छलांग लगाई। 65 स्काईडाइवर्स का एक ही विमान से अपने-अपने राष्ट्रीय ध्वज के साथ एक साथ छलांग लगाना नया विश्व रिकॉर्ड है। भारतीय प्रतिभागियों ने छलांग के दौरान तिरंगा लहराया। यह प्रयास भारत के स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले किया गया, जिससे इसमें देशभक्ति का भाव भी जुड़ गया। तीनों भारतीय यूएई के स्काईडाइविंग समुदाय का हिस्सा हैं। वे पांच अगस्त को लीबिया पहुंचे थे और अंतिम प्रयास के लिए मंजूरी मिलने से पहले तीन अभ्यास छलांग लगाई थी।

15 अगस्त
के पावन अवसर पर
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम सब देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए नए संकल्प लें।
जय हिंद! जय भारत!!
राजेश कुशवाहा
समिति प्रबंधक

समस्त देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक बधाई
व शुभकामनाएं
अखिलेश प्रताप सिंह देव
विद्यात्री सिंह देव
समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता एवं समस्त क्षेत्रीय ग्रामीण भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

80 वें स्वतंत्रता दिवस
लक्ष्मी राजवाड़े
सुनील साहू

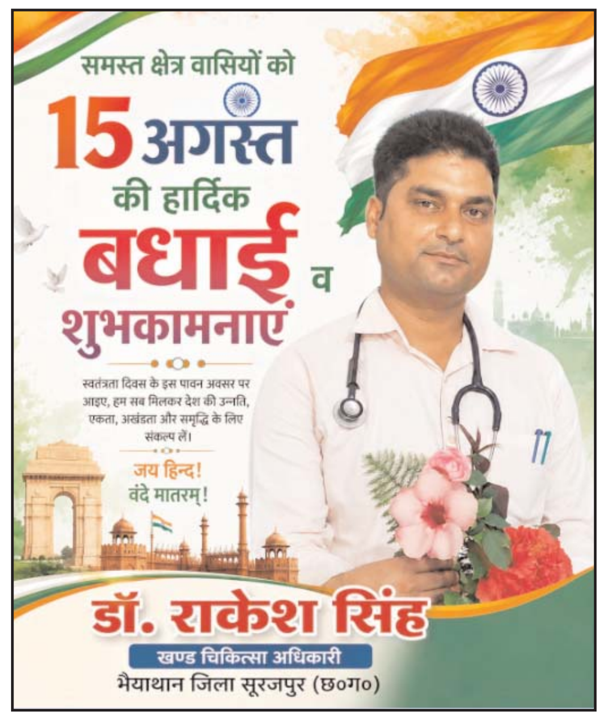
समस्त क्षेत्र वासियों को
15 अगस्त
की हार्दिक
बधाई व
शुभकामनाएं
जय हिन्द!
वंदे मातरम्!
डॉ. राकेश सिंह
खण्ड चिकित्सा अधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

15th
अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
समस्त क्षेत्र वासियों को
योगेन्द्र सिंह देव
अमित कुमार ताम्रकार

80 वें
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक
बधाई
व
शुभकामनाएं
अमरनाथ चौबे
अध्यक्ष
महेश राम पैकरा
सचिव
सर्व शिक्षक कल्याण संघ
भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....
मान सिंह मरावी
वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ सोनहत

15 अगस्त
स्वतंत्रता
दिवस
की समस्त क्षेत्र वासियों को
हार्दिक बधाई
व शुभकामनाएं
आर.पी. यादव
अध्यक्ष
सर्व यादव समाज ब्लॉक इकाई भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ0ग0)

समस्त क्षेत्रवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता
दिवस
की
हार्दिक बधाई
व शुभकामनाएं
सनलीत कुशवाहा
जिलाध्यक्ष
कुशवाहा समाज जिला सूरजपुर (छ0ग)

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....
शिवकुमार
रूपदेव गुप्ता
मुकुदपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....
सुखमनिया
झेलवा
दिनेश राय
लिपंगी

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....
प्रबल सिंह
पैकरा
धनेश्वर यादव
तुनगुरी

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....
सरोज कुमार
मथुरा चौधरी
अमलभिट्ठी

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....
जयनी लकड़ा
सुखसाय
सिंगीटाना

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....
नयस्ती बाई
धर्मेन्द्र सिंह
पटकुरा

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....
बनवारी आर्मो
मनोज चौबे
जयपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....
बिरूती सिंह
जगदीश तिर्की
लब्जी

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....
दिबल एक्का
रामगोपाल साहू
तिरकेला

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....
प्रमिला सिंह
नान्हू राम
प्रतापपुर

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....
सूर्यबहादुर सिंह
अंकृत
जमगवां

स्वतंत्रता दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं....
सूर्यवती सिंह
बंशराम अनंत
लोसंगी

स्वतंत्रता दिवस की समस्त प्रदेश वासियों की हार्दिक शुभकामनाएँ

पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर
एवं समस्त स्टाफ बलरामपुर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

स्वतंत्रता दिवस की समस्त प्रदेश वासियों की हार्दिक शुभकामनाएँ

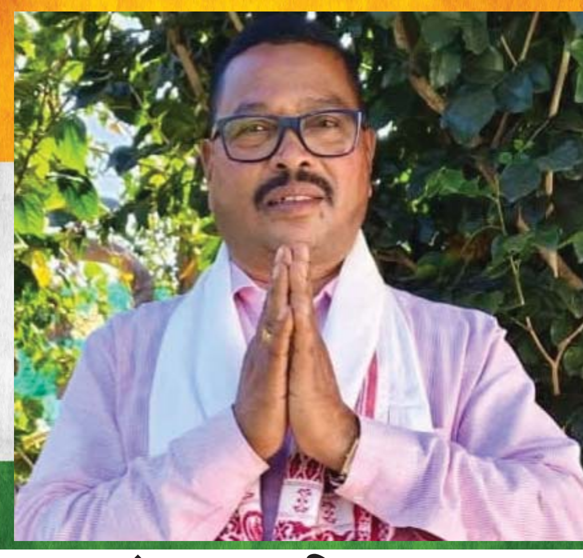

बसंत कुजूर जिला अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

स्वतंत्रता दिवस की समस्त प्रदेश वासियों की हार्दिक शुभकामनाएँ

आलोक कुमार बाजपेई
वनमंडला अधिकारी एवं
समस्त स्टाफ बलरामपुर
जिला बलरामपुर रामानुजगंज

स्वतंत्रता दिवस की समस्त प्रदेश वासियों की हार्दिक शुभकामनाएँ

निखिल सक्सेना
वन परीक्षेत्र अधिकारी
बलरामपुर एवं समस्त स्टाफ
जिला बलरामपुर रामानुजगंज

स्वतंत्रता दिवस की समस्त प्रदेश वासियों की हार्दिक शुभकामनाएँ

विजय कुमार सिंह
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ बलरामपुर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

स्वतंत्रता दिवस की समस्त प्रदेश वासियों की हार्दिक शुभकामनाएँ

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास
बलरामपुर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

स्वतंत्रता दिवस की समस्त प्रदेश वासियों की हार्दिक शुभकामनाएँ

जिला शिक्षा अधिकारी
कार्यालय बलरामपुर
एवं समस्त स्टाफ
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

स्वतंत्रता दिवस की समस्त प्रदेश वासियों की हार्दिक शुभकामनाएँ

कमलेश साहू सहायक
संचालक उद्यान विभाग
बलरामपुर एवं समस्त स्टाफ
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

स्वतंत्रता दिवस की समस्त प्रदेश वासियों की हार्दिक शुभकामनाएँ

यशवंत कुमार यादव
जिला परिवहन अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ बलरामपुर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

स्वतंत्रता दिवस की समस्त प्रदेश वासियों की हार्दिक शुभकामनाएँ

सरपंच मोहनी पैंकरा
सचिव हिंरानंद रजक
एवं समस्त ग्राम वासी ग्राम पंचायत
बड़की महरी जनपद पंचायत बलरामपुर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

स्वतंत्रता दिवस की समस्त प्रदेश वासियों की हार्दिक शुभकामनाएँ

राजेंद्र ठाकुर (राजू)
जिला प्रतिनिधि छत्तीसगढ़
फ्रंटलाइन ब्यूरो कार्यालय
बलरामपुर

प्रारूप-(एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं स्कावली सिंह (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) सुपुत्री नितेश्वर सिंह गांव ओबरी तहसील बलरामपुर जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम स्कावली सिंह (पुराना नाम) से बदलकर एकावली सिंह (नया नाम) रख लिया है

स्कावली
हस्ताक्षर (पुराने नाम से)

ट्रेन एक अस्पताल नहीं, बल्कि गरीबों के लिए जीवन रेखा : सांसद

0 चौथी बार सूरजपुर पहुंचा चलता-फिरता अस्पताल 0 सांसद ने किया लाइफलाइन एक्सप्रेस का शुभारंभ, पहले दिन 866 मरीजों ने कराया पंजीयन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन की 256वीं लाइफलाइन एक्सप्रेस का शुभारंभ रविवार को बिश्रामपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 02 पर हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज व विशेष अतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े उपस्थित थीं। सांसद श्री महाराज ने रिबन काटकर इस चलते-फिरते अस्पताल का विधिवत उद्घाटन किया। यह ऐतिहासिक हॉस्पिटल ट्रेन जिले में चौथी बार पहुंची है, जहां 16 से 05 सितम्बर तक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर संचालित किया जाएगा। शिविर में प्रतिदिन प्रातः 09 से सायं 04 बजे तक ओपीडी संचालित होगी तथा मरीजों की जांच एवं शल्य चिकित्सा पूर्णतः निःशुल्क की जाएगी। जनप्रतिनिधिगण, इम्पैक्ट फाउंडेशन की टीम व जिला प्रशासन के अधिकारियों की उपस्थिति में ऑपरेशन थिएटर, रिकवरी रूम एवं पंजीयन काउंटर का अवलोकन किया गया। उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली गई तथा उपचार कराने पहुंचे मरीजों से आत्मीय चर्चा कर उनका कुशलक्षेम जाना। अवलोकन के दौरान कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि लाइफलाइन एक्सप्रेस तक मरीजों को पहुंचाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं हर हाल में सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि वर्षा का मौसम है, अतः ट्रेन के आसपास कहीं भी जल जमाव न हो, इसका समुचित प्रबंध किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि शिविर स्थल तक आवागमन, बैठक, पंजीयन एवं साफ-सफाई की व्यवस्था इस प्रकार हो कि यहां पहुंचने वाले मरीजों को बगैर किसी असुविधा के निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो सकें। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने तथा प्रतिदिन व्यवस्थाओं की निगरानी करने के निर्देश भी दिए। प्रारंभ में इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने प्रोजेक्ट की रूपरेखा, शिविर की कार्यक्रम अनुसूची एवं उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में बाबूलाल अग्रवाल, श्रीमती निर्मला यादव, रितेश जायसवाल, राजेश्वर तिवारी सहित जनप्रतिनिधिगण, जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल, इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन की मैनेजिंग ट्रस्टी प्रोफेसर डॉ. रोहिणी वी. चौगुले, सीनियर ऑपरेशन्स ऑफिसर डॉ. मनोहर रेड्डी, योगेश कुमार सहित गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में आमजन व ईलाज कराने के लिए आये मरीज़ उपस्थित थे।

स्वस्थ शरीर सुखी परिवार और समृद्ध समाज का आधार : लक्ष्मी

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वस्थ शरीर ही सुखी परिवार और समृद्ध समाज का आधार है। उन्होंने कहा कि लाइफलाइन एक्सप्रेस उन जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान है, जिनके लिए बड़े शहरों में जाकर महंगी शल्य चिकित्सा कराना संभव नहीं हो पाता। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि आज यह अस्पताल स्वयं चलकर हमारे अंचल के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है, यह अत्यंत सुखद है। उन्होंने विशेष रूप से माताओं-बहनों से आग्रह किया कि वे संकोच छोड़कर स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की निःशुल्क जांच अवश्य कराएं, क्योंकि समय पर जांच होने से गंभीर बीमारी को प्रारंभिक अवस्था में ही रोका जा सकता है। उन्होंने समस्त जिलेवासियों से अपील की कि स्वास्थ्य संबंधी उपचार व निदान हेतु इस शिविर का सभी लाभ अवश्य उठाएं। मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह ट्रेन केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि गरीबों के लिए जीवन रेखा है। उन्होंने कहा कि सरगुजा अंचल के वनांचल क्षेत्रों में आज भी अनेक ऐसे परिवार हैं, जो साधनों के अभाव में मोतियाबिंद, बहरेपन अथवा हड्डी की विकृति जैसी समस्याओं के साथ वर्षों से जीवन बिता रहे हैं। ऐसे लोगों के द्वार तक विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम का पहुंचना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र के पात्र मरीजों को चिन्हित कर शिविर तक लाने में सहयोग करें, ताकि इस 21 दिवसीय शिविर का अधिकतम लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच सके इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन की मैनेजिंग ट्रस्टी प्रोफेसर डॉ. रोहिणी वी. चौगुले ने अपने उद्बोधन में कहा कि लाइफलाइन एक्सप्रेस की यात्रा वर्ष 1991 में इसी संकल्प के साथ प्रारंभ हुई थी कि देश के दूरस्थ अंचलों में निवारणीय विकलांगता को समय रहते रोका जाए। उन्होंने कहा कि विश्व की यह पहली हॉस्पिटल ट्रेन अब तक देश के अनेक जिलों में पहुंचकर लाखों लोगों को निःशुल्क उपचार उपलब्ध करा चुकी है और सूरजपुर में यह 256वां प्रोजेक्ट है। डॉ. चौगुले ने कहा कि ट्रेन में अत्याधुनिक मल्टी-स्पेशियलिटी ऑपरेशन थिएटर तथा अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की टीम उपलब्ध है, जिनके द्वारा गुणवत्तापूर्ण शल्य चिकित्सा सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने सूरजपुर जिला प्रशासन एवं भारतीय रेलवे द्वारा दिए गए सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्थानीय प्रशासन की सक्रिय भागीदारी ही ऐसे शिविरों की सफलता का आधार होती है।कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि शिविर का लाभ जिले के अंतिम छोर तक निवासरत प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को मिले। कलेक्टर श्रीमती जमील ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग का दल निरंतर समन्वय बनाए हुए है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपने साथ आधार कार्ड अथवा अन्य पहचान पत्र अवश्य लेकर आएं और निर्धारित तिथियों के अनुसार संबंधित रोग की जांच हेतु उपस्थित हों। शुभारंभ के साथ ही रजिस्ट्रेशन काउंटर पर मरीजों की कतार लग गई। शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच से लेकर मोतियाबिंद तथा वर्षों से चली आ रही अन्य व्याधियों के उपचार की आस लिए जिले के दूर-दराज अंचलों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। प्रथम दिवस प्राप्त अंतिम जानकारी के अनुसार कुल 866 मरीजों ने विभिन्न बीमारियों के उपचार हेतु पंजीयन कराया। ऐसे अनेक मरीज भी शिविर तक पहुंचे, जो लंबे समय से निजी चिकित्सा का व्यय वहन न कर पाने के कारण इलाज से वंचित थे। निःशुल्क सेवा मिलने पर लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे अपने लिए बड़ी राहत बताया।

उल्लेखनीय है कि लाइफलाइन एक्सप्रेस विश्व की पहली आधुनिक हॉस्पिटल ट्रेन है, जिसकी शुरुआत 16 जुलाई 1991 को हुई थी। यह इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन, भारतीय रेलवे तथा केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की अनूठी संयुक्त पहल है। ट्रेन के डिब्बों में अत्याधुनिक मल्टी-स्पेशियलिटी ऑपरेशन थिएटर मौजूद है, जिसमें पांच ऑपरेशन टेबल की सुविधा है और एक साथ पांच सर्जरी तक की जा सकती हैं।

ऑपरेशन थिएटर में सर्जिकल माइक्रोस्कोप, वेंटिलेशन सिस्टम, एनेस्थीसिया मशीन एवं ऑटोक्लेव जैसे महत्वपूर्ण उपकरणों के साथ रिकवरी रूम की व्यवस्था भी है। ट्रेन के साथ प्रशिक्षित नर्सिंग ऑफिसर्स, टेक्नीशियन एवं स्वास्थ्यकर्मियों की अनुभवी टीम निरंतर कार्यरत रहती है। शिविर की निर्धारित कार्यक्रम अनुसूची के अनुसार आंख की जांच एवं मोतियाबिंद की सर्जरी हेतु ओपीडी 16 से 21 अगस्त तथा ऑपरेशन 17 से 22 अगस्त तक होंगे। कान की जांच के लिए ओपीडी 22 से 27 अगस्त एवं कान की सर्जरी 23 से 28 अगस्त तक की जाएगी। मुड़े हुए हाथ एवं पैर के परीक्षण तथा कटे-फटे होंठ एवं जलने के बाद हुए संकुचन की प्लास्टिक सर्जरी हेतु जांच 28 से 31 अगस्त एवं सर्जरी 29 अगस्त से 01 सितम्बर तक होगी। दांत की जांच एवं उपचार 01 से 05 सितम्बर तक तथा स्त्री रोग अंतर्गत स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच व स्क्रीनिंग 16 से 21 अगस्त तक की जाएगी। भर्ती किए गए रोगियों के साथ सहयोग के रूप में केवल एक व्यक्ति को रहने की अनुमति दी जाएगी। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 7039673973 पर संपर्क किया जा सकता है।

कोतवाली पुलिस ने 2.50 लाख का गांजा किया जप्त, एक युवक गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के थाना चौकी प्रभारियों को नशे के धंधे में लिप्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने
दिए थे जिसके बाद से ही जिले की पुलिस नशीली पदार्थ के गोरख धंधे पर सतत् निगाह बनाए हुए है और लगातार कार्यवाही करने में लगी हुई है। इसी तारतम्य में 15 अगस्त को कोतवाली पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि केतका की ओर से एक व्यक्ति बिना नंबर के मोटर सायकल में गांजा बिक्री करने सपकरा की ओर जा रहा है। सूचना पर थाना पुलिस के द्वारा ग्राम पोड़ी में घेराबंदी कर मोटर सायकल सहित अतिउल्ला खान पिता स्व. नबीउल्ला खान उम्र 31 वर्ष साहूपारा थाना सूरजपुर को पकड़ा। जिसके कब्जे से 4.9 किलो गांजा कीमत करीब 2.50 लाख जप्त किया गया। मामले में परिवहन में मोटर सायकल व गांजा जप्त कर धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी अलरिक लकड़ा, एसआई लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता, सउनि मनोज पोर्ते, प्रधान आरक्षक हितेश्वर राजवाड़े, आरक्षक जितेन्द्र पटेल व रविराज पाण्डेय सक्रिय रहे।

देशभक्ति से जुड़ी हर चीज का विरोध करना कांग्रेस की नीति : देव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष देव गुप्ता ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम गाए जाने को लेकर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने जो आपत्ति की वह राष्ट्रगीत का अपमान है। उन्होंने कहा कि देशभक्ति से जुड़ी किसी भी चीज का विरोध करना कांग्रेस की नीति है। भाजयुमो जिला अध्यक्ष देव गुप्ता ने मांग की कि यदि कांग्रेस में जरा भी देशभक्ति है तो वह राष्ट्रगीत के ''अपमान'' के लिए 24 घंटे के भीतर सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। भाजयुमो जिला अध्यक्ष देव गुप्ता ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर राहुल और सोनिया गांधी द्वारा वंदे मातरम का विरोध 'दिमागी नक्सल समर्थन तंत्र' वाली मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''क्या कोई देशभक्त, कोई भी भारतीय जो भारत के संविधान में विश्वास रखता हो, तिरंगे का सम्मान करता हो, भारत के स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करता हो और भारत की संप्रभुता और अखंडता में यकीन रखता हो, वह कभी स्वतंत्रता दिवस पर वंदे मातरम गाने से नाराज़ हो सकता है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने न सिर्फ आजादी की लड़ाई लड़ने वालों का ही नहीं, बल्कि देश के संविधान, उसकी संप्रभुता और अखंडता एवं देश के 140 करोड़ लोगों का भी अपमान किया है।

मंत्री लक्ष्मी के प्रयासों से नवीन क्षेत्रीय महिला प्रशिक्षण संस्थान को मिली मंजूरी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सरगुजा संभाग की महिलाओं और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को एक ऐतिहासिक सौगात दी है। राज्य शासन द्वारा सरगुजा में नवीन क्षेत्रीय महिला प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना और इसके सुचारू संचालन के लिए 12 नए पदों के सेटअप को आधिकारिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

लंबे समय से सरगुजा संभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और विभागीय अमले को अपने विभागीय प्रशिक्षण के लिए रायपुर या बिलासपुर जैसे बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था। इससे न केवल उनके समय और संसाधनों की अधिक खपत होती थी, बल्कि उन्हें व्यावहारिक असुविधाओं का भी सामना करना पड़ता था। क्षेत्र की इस बड़ी समस्या को गंभीरता से लेते हुए, मंत्री लक्ष्मी के विशेष प्रयासों से अब इस नवीन प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

इस बड़ी उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए मंत्री लक्ष्मी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सुशासन की परिकल्पना के अनुरूप हमारी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें हर संभव सुविधा प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में सरगुजा में इस प्रशिक्षण संस्थान की स्वीकृति इसी बात का प्रमाण है कि विकास अब दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँच रहा है। अब हमारी आंगनबाड़ी बहनों को प्रशिक्षण के लिए अपने घर और क्षेत्र से दूर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे उनकी कार्यक्षमता और योजनाओं के क्रियान्वयन में और अधिक निखार आएगा।

12 पदों का सेटअप स्वीकृत

संस्थान के व्यवस्थित संचालन के लिए वित्त विभाग द्वारा कुल 12 पदों के सृजन की सहमति दी गई है। इनमें उप संचालक, सहायक संचालक, सहायक लेखाधिकारी, डाटा एंट्री ऑपरेटर और अन्य आवश्यक सहायक पद शामिल हैं। पूर्ण सेटअप के साथ इस कार्यालय के शुरू होने से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन उच्च स्तरीय और सुचारू रूप से हो सकेगा।यह महत्वपूर्ण निर्णय सरगुजा संभाग में महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

न्यायालय द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश, रामानुजगंज
जिला बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.)
¼ihBklhu vf/kdkjh&vfer dqekj dkgyh½
lel@ukfVl

(आप. पुनरीक्षण आवेदन–पत्र अन्तर्गत धारा 397, 399 दण्ड प्रक्रिया सहिता /धारा 438,440 बी.एन.एस.एस.)
आप.पुन.प्र.क्र. 10/2026
प्रोसेस नं.–335/2026
प्रोसेस दिनांक–13/08/2026
पेशी दिनांक 29.08.2026
आवेदकगण
पक्षकार–विशाल गुप्ता
अनावेदकगण
विरूद्ध :–द्वारिका गुप्ता वगै.
प्रति,
आवेदक विशाल गुप्ता के द्वारा विविध आप. पुनरीक्षण प्रकरण इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उसके पक्ष समर्थन में दस्तावेज भी प्रस्तुत की गयी है। अतः उत्तरवादी क्रमांक–02 हिमांशु यादव आ. उमेश यादव उम्र लगभग–27 वर्ष निवासी ग्राम–भेदमी थाना व तहसील–बलरामपुर–रामानुजगज (छ०ग०) पिन 497119 को इस समंस के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा प्रस्तुत इस आवेदन के संबंध में आपको अपना पक्ष रखने हेतु अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होना है। उपरोक्त नियत तिथि एवं समय पर अनुपस्थित रहने की दशा में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही कर प्रकरण की सुनवाई की जा सकेगी।
यदि उक्त नियत तिथि को अवकाश घोषित हो जाता है या मैं अवकाश पर जाता हूँ, तो इस प्रकरण की सुनवाई आगामी तिथि पर की जायेगी।
इस न्यायालय की मुद्रा लगाकर आज दिनांक 13/08/2026 को जारी।

¼vfer dqekj dkgyh½
f}rh; vij l= U;k;k/kh'k] jkekuqtxt
ftyk cyjkeiqj&jkekuqtxt ¼N-x-½

रंगमंच पर आयोजित तीन दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का हुआ समापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला जनसंपर्क विभाग द्वारा नगर पालिका परिषद के सामने स्थित रंगमंच में आयोजित तीन दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का शनिवार को समापन हो गया। 13 से 15 अगस्त तक संचालित इस प्रदर्शनी का जिले के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधिगण व विद्यार्थियों ने अवलोकन किया और प्रदर्शित छायाचित्रों में गहरी रुचि दिखाई।

प्रदर्शनी हर घर तिरंगा, वंदे मातरम तथा भारत विभाजन की विभीषिका-स्मरण दिवस की थीम पर आधारित रही। इसमें प्रदर्शित छायाचित्रों के माध्यम से वंदे मातरम् गीत की रचना एवं उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियों, राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना तथा विभाजन के दौरान देशवासियों द्वारा झेली गई पीड़ा से जुड़े मार्मिक प्रसंगों को सजीव रूप में दर्शाया गया। दर्शकों ने प्रत्येक छायाचित्र को रुचिपूर्वक देखा तथा उनमें निहित ऐतिहासिक संदेशों की सराहना की।

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं स्कावली सिंह (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) सुपुत्री नितेश्वर सिंह गांव ओबरी तहसील बलरामपुर जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम स्कावली सिंह (पुराना नाम) से बदलकर एकावली सिंह (नया नाम) रख लिया है।

स्कावली
हस्ताक्षर
(पुराने नाम से)

नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक/पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं शीला माता/पिता पालक का नाम सुपुत्र/सुपुत्री रामेश्वर सिंह गांव/शहर जतरो तहसील बलरामपुर जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम आर्यंश सिंह (पुराना नाम) से बदलकर आर्यन सिंह (नया नाम) रख दिया है।

शीला
माता–पिता पालक के हस्ताक्षर

स्वतंत्रता दिवस पर जिले में आन बान और पूरे शान से लहराया तिरंगा

0 जिला मुख्यालय के स्टेडियम ग्राउंड में मंत्री लक्ष्मी ने ध्वजारोहण कर ली परेड की सलामी
0 देश भक्ति से ओत प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमो की हुई शानदार प्रस्तुति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे गरिमामय एवं हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। यहां के स्टेडियम ग्राउंड में मुख्य कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहाँ मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सामूहिक गायन ने संपूर्ण वातावरण को राष्ट्रभक्ति के भाव से सराबोर कर दिया, इसके साथ ही राष्ट्रगान जन गण मन की सामूहिक प्रस्तुति के साथ राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जनता के नाम संदेश का वाचन किया तथा जिलेवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने रंग-बिरंगे गुब्बारे मुक्त आकाश में छोड़े तथा शांति के प्रतीक सफेद कबूतरों को उड़ाकर शांति, सद्भावना एवं आपसी भाईचारे का संदेश दिया। खुले आसमान में उड़ते गुब्बारों और कबूतरों के इस दृश्य को उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि के साथ सराहा।

समारोह में परेड कमांडर के नेतृत्व में 13 विभिन्न प्लाटूनों ने बैंड की मधुर धुन पर कदमताल करते हुए आकर्षक मार्च पास्ट किया, जो कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा शहीद जवानों के परिजनों का शॉल-श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया तथा विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल, ग्लोबल पब्लिक स्कूल, सरस्वती शिशु मंदिर एवं कला केंद्र सूरजपुर के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों पर आधारित रंगारंग नृत्य एवं मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चों की तिरंगामय वेशभूषा और उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियों ने पूरे स्टेडियम में देशभक्ति का उल्लासपूर्ण वातावरण निर्मित कर दिया, जिसे उपस्थितजनों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सराहा।प्रस्तुतियों में पीएम श्री स्वामी आत्मानंद विद्यालय नवापारा सूरजपुर ने प्रथम, पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास सूरजपुर ने द्वितीय तथा कला केंद्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले इन दलों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणी पैकरा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्वाति संत सिंह, भीमसेन अग्रवाल, बाबूलाल अग्रवाल, मुरली मनोहर सोनी, ठाकुर राजवाड़े, मुकेश गर्ग, अजय अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, शशिकांत गर्ग, राजेश महलवाला सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल, डीएफओ विपुल अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र पाटले सहित जिले के समस्त अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संयुक्त जिला कार्यालय में कलेक्टर ने किया ध्वजारोहण

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कलेक्टोरेट स्थित संयुक्त जिला कार्यालय भवन में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा बच्चों द्वारा विभिन्न प्रस्तुतियां दीं गई। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, डिप्टी कलेक्टर रमेश मोर, डिप्टी कलेक्टर सुनील अग्रवाल, डिप्टी कलेक्टर यशवंत देवांगन सहित जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नागपंचमी पर दंगल: अवनीश बने सरगुजा केसरी, 150 पहलवानों ने दिखाया दम

मो. आसिफ सरगुजा भीम, मनीष सरगुजा कुमार और देवांगन सरगुजा अभिमन्यु बने

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नागपंचमी के शुभ अवसर पर सरगुजा कुश्ती संघ द्वारा मल्टीपरपज ग्राउंड के विशाल प्रांगण में दंगल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संघ के अध्यक्ष विकास पांडे के नेतृत्व में आयोजित इस रोमांचक दंगल में सरगुजा सहित प्रदेश और सीमावर्ती राज्यों से कुल 150 पहलवानों ने भाग लिया। प्रतियोगिता को चार वर्गों में आयोजित किया गया–सरगुजा केसरी, सरगुजा भीम, सरगुजा कुमार और सरगुजा अभिमन्यु।

विजेताओं में ये रहे शामिल

सरगुजा केसरी अवनीश पांडे, अंबिकापुर, उपविजेता सतपाल यादव, सरगुजा भीम, मोहम्मद आसिफ भिलाई, उपविजेता पवन कुमार, सरगुजा कुमार मनीष कुमार भिलाई, उपविजेता लक्ष्मण पैकरा सरगुजा, सरगुजा अभिमन्यु देवांगन जगत, लखनपुर रहे।

निर्णायक और आयोजक टीम

प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में खेल शिक्षक विवेक पांडे, राजेश प्रताप सिंह, नवनीत सिंह गिल, सुदेश पैकरा एवं गुरमीत छाबड़ा सक्रिय रहे। कार्यक्रम का संचालन संघ के कोषाध्यक्ष संजीव वर्मा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रवि विश्वकर्मा, विवेक सिंह, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, अमन गुप्ता, आनंद सिंह, गोलू यादव सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों की सक्रिय सहभागिता रही।

कैबिनेट मंत्री, सांसद सहित अन्य अतिथियों ने किया शुभारंभ

दंगल का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल, सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज, भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, हस्तशिल्प बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष अनिल सिंह मेजर, ललन प्रताप सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिसोदिया सहित विनोद हर्ष, अंबिकेश केसरी, आलोक दुबे, मनीष सिंह, जन्मेजय मिश्रा, निश्चल सिंह, दीपक यादव, रविकांत उरांव, निशांत सिंह, शशिकांत जायसवाल, मनोज कंसारी एवं कमलेश तिवारी ने विधिवत किया। अतिथियों ने अखाड़े में पहुंचकर पहलवानों से हाथ मिलाकर परिचय प्राप्त किया।

खेल भावना से आगे बढ़ने का दिया संदेश–कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि इस पारंपरिक आयोजन को जीवित रखने के लिए आयोजक बधाई के पात्र हैं। उन्होंने सभी पहलवानों को खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आए पहलवानों ने अखाड़े में अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से आए खेल प्रेमियों ने दंगल का आनंद लिया। दर्शकों की तालियों से पहलवानों का उत्साह दोगुना हो गया।

पुरखा के सुरता सरगुजा कांग्रेस ने 14 पूर्व जिलाध्यक्षों के फोटोग्राफ का किया अनावरण

स्वतंत्रता दिवस पर दिवंगत अध्यक्षों के स्वजन का सम्मान, टीएस सिंहदेव रहे मुख्य अतिथि

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगांठ पर सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी ने पुरखा के सुरता नाम से विशेष कार्यक्रम आयोजित कर आजादी के बाद से आज तक जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद को सुशोभित करने वाले 14 जिलाध्यक्षों के फोटोग्राफ का अनावरण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव* ने राजीव भवन में ध्वजारोहण के बाद सभाकक्ष में फोटोग्राफ का अनावरण किया। इस दौरान जिला कांग्रेस के दिवंगत अध्यक्षों के परिजनों को विशेष रूप से आमंत्रित कर शाल–श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि इस पहल का श्रेय अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य आदित्येश्वर शरण सिंहदेव को जाता है। उन्होंने बताया कि पुरखा के सुरता छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा का भावपूर्ण शीर्षक है, जिसका अर्थ पूर्वजों के स्मरण से है। यह शीर्षक हमारी माटी, संस्कृति और परंपरा में पूर्वजों के योगदान को याद करने का प्रतीक है।

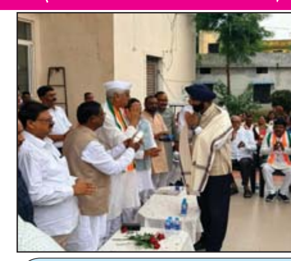

दिवंगत अध्यक्षों के स्वजन हुए सम्मानित

मुख्य अतिथि टी.एस. सिंहदेव ने दिवंगत अध्यक्षों के परिजनों को सम्मानित किया। जिला कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष सरदार स्व. किशन सिंह बाबरा की ओर से सरदार भूपेंद्र सिंह बाबरा, स्व. डॉ. डी.पी. गुप्ता की ओर से गोपाल केशरी और सुधांशु केशरी, स्व. ताराचंद अग्रवाल की ओर से अजय अग्रवाल, स्व. डॉ. राजेश्वरी त्रिपाठी हेतु प्रमोद त्रिपाठी, स्व. सुरेंद्र सिन्हा हेतु रवि सिन्हा, वहीं राजमाता स्व. देवेंद्र कुमारी सिंहदेव के सम्मान को टी.एस. सिंहदेव ने स्वयं जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक के हाथों ग्रहण किया। कार्यक्रम में अजय अग्रवाल, बालकृष्ण पाठक और राकेश गुप्ता को भी सम्मानित किया गया।

इस गौरव को कायम रखना है

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि दिवंगत और वर्तमान अध्यक्षों के मार्गदर्शन में सरगुजा जिला कांग्रेस ने जो सफलता अर्जित की है वह अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि समय के साथ पीढ़ियां बदलती हैं, लेकिन सरगुजा क्षेत्र में कांग्रेस के इस गौरव को कायम रखना है।

आजादी के बाद 14 अध्यक्ष, 18 कार्यकाल

1947 में आजादी के बाद अविभाजित सरगुजा जिले से लेकर अब तक कांग्रेस अध्यक्ष पद को 14 व्यक्तित्वों ने अपने 18 कार्यकाल से सुशोभित किया है। 1997 तक का अविभाजित सरगुजा आज सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया और एमसीबी जिलों में बंट चुका है।

धौरपुर में बेटे ने की माता-पिता की कुल्हाड़ी से हत्या, शव बोरियों में पैक कर रहा था

पुलिस ने शव बरामद किया, आरोपी फरार

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के धौरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सपड़ा से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवक ने अपने ही माता–पिता की कुल्हाड़ी से निर्मम हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी दोनों शवों को बोरियों में पैक कर ठिकाने लगाने की तैयारी कर रहा था, लेकिन इससे पहले ही मामले का खुलासा हो गया।

जानकारी के मुताबिक, मृतक दंपति की पहचान हीराधार यादव और गुलाबी यादव के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर दंपति का दूसरा बेटा मौके पर पहुंचा। उसे देखते ही आरोपी वहां से फरार हो गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही धौरपुर थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पहुंची और दोनों शवों को बरामद कर जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने बताया कि हत्या के कारणों की जांच की जा रही है। आरोपी की तलाश के लिए आसपास के क्षेत्र में दबिश दी जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई है।

कतकालो के ग्रामीणों की पूरी हुई वर्षों पुरानी मांग, 300 एकड़ खेतों तक पहुंची बिजली

युवा आयोग अध्यक्ष ने किया ट्रांसफार्मर का शुभारंभ, 100 किसानों को मिलेगा लाभ

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। ग्राम पंचायत कतकालो के किसानों की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी हो गई। क्षेत्र में विद्युतीकरण विस्तार होने से अब लगभग 100 किसानों के 300 एकड़ खेतों में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। नए पम्प कनेक्शन मिलने से गांव में खुशी का माहौल है। छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने फीता काटकर और बल्ब जलाकर नए ट्रांसफार्मर का शुभारंभ किया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य पायल सिंह तोमर भी उपस्थित रहीं। ग्रामीणों ने पंचायत चुनाव के समय इनके समक्ष खेतों तक बिजली पहुंचाने की मांग रखी थी। किसानों का कहना था कि बिजली के अभाव में सिंचाई के लिए उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ती थी। डीजल पम्प पर निर्भर रहने के कारण खेती महंगी पड़ती थी। मांग पूरी होने पर ग्रामीणों ने पायल सिंह तोमर और युवा आयोग अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर का आभार व्यक्त किया। किसानों ने कहा कि अब समय पर सिंचाई हो सकेगी और फसल का उत्पादन भी बढ़ेगा।

100 किसानों को होगा सीधा फायदा–विद्युतीकरण विस्तार से कतकालो पंचायत के लगभग 100 किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। करीब 300 एकड़ कृषि भूमि में अब बिजली से चलने वाले पम्पों के माध्यम से सिंचाई की जा सकेगी। इससे न केवल लागत कम होगी बल्कि रबी और खरीफ दोनों फसलों की पैदावार में भी बढ़ोतरी की उम्मीद है। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने कहा कि यह सुविधा उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। अब वे बिजली कनेक्शन लेकर अपने खेतों में पम्प स्थापित कर सकेंगे।

अधिकारी–कर्मचारी, ग्रामीण रहे मौजूद–शुभारंभ कार्यक्रम में बिजली विभाग के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को क्षेत्र के कृषि विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। ग्रामीणों ने विश्वास जताया कि विद्युतीकरण से क्षेत्र का कृषि विकास तेज होगा और किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

स्कूलों से जेल तक नशामुक्ति का संकल्प, मातृशक्ति और पेंशनर समाज भी जुड़े

10 करोड़ नशामुक्त प्रतिज्ञा महा-अभियान, सरगुजा में 1 लाख से अधिक लोगों ने ली शपथ

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा संचालित राष्ट्रव्यापी 10 करोड़ नशामुक्त प्रतिज्ञा महा–अभियान सरगुजा संभाग में जन–आंदोलन का रूप ले चुका है। स्वतंत्रता दिवस और सावन उत्सव के पावन अवसर पर इस अभियान को नई ऊर्जा मिली। अब तक संभाग में 1 लाख से अधिक लोग नशा न करने और दूसरों को नशे से दूर रखने का संकल्प ले चुके हैं।

ब्रह्माकुमारीज की बीके बहनों और नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा की टीम ने शहर व ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों, कॉलेजों, केंद्रीय जेल, होमगार्ड कार्यालय, प्रमुख मंदिरों और सामाजिक आयोजनों में विशेष सत्र आयोजित किए। शहर के प्रमुख स्कूलों और महाविद्यालयों में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने जीवन में कभी किसी भी प्रकार का नशा नहीं करने की दृढ़ प्रतिज्ञा ली। केंद्रीय जेल अंबिकापुर में बंद कैदियों को मानसिक शांति और सकारात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया। बड़ी संख्या में बंदियों ने व्यसन मुक्ति की शपथ ली। होमगार्ड के जवानों को भी सकारात्मक जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया गया। अंबिकापुर के प्रमुख मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को व्यसनों से दूर रहकर आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया।

मातृशक्ति और पेंशनर समाज की भागीदारी

समभाव महिला मंच की महिलाओं द्वारा आयोजित सावन उत्सव के मंच से नशामुक्त परिवार का संदेश दिया गया। महिलाओं ने कहा कि परिवार को नशे से बचाकर ही स्वस्थ समाज बनाया जा सकता है। वहीं पेंशनर समाज की बैठकों में वरिष्ठ नागरिकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए समाज को व्यसन मुक्त बनाने में पूर्ण सहयोग का वचन दिया। उनका कहना था कि नशा परिवार की शांति और बच्चों का भविष्य दोनों बर्बाद करता है।

खिलाड़ियों को सिखाई राजयोग की विधि

शहर के यूथ प्लेयर ग्रुप से जुड़े खिलाड़ियों के लिए चोपड़ा पारा स्थित नव विश्व भवन में विशेष कार्यक्रम हुआ। इसमें खिलाड़ियों को राजयोग मेडिटेशन द्वारा तनावमुक्त जीवन जीने की विधि सिखाई गई। साथ ही उन्हें नशामुक्त रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रतिज्ञा कराई गई।

नशा बर्बाद करता है शरीर और समाज

ब्रह्माकुमारीज अंबिकापुर केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने कहा कि नशा केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि व्यक्ति के मानसिक संतुलन, परिवार की शांति और समाज की आर्थिक स्थिति को भी बर्बाद करता है। संस्था का उद्देश्य राजयोग मेडिटेशन और आत्मिक ज्ञान के माध्यम से जन–जन को आंतरिक शक्ति देना है, ताकि वे आसानी से व्यसनों से मुक्त होकर स्वस्थ व खुशहाल समाज का निर्माण कर सकें। महाअभियान 20 अगस्त तक संभाग के अन्य क्षेत्रों में भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि प्रत्येक नागरिक तक नशामुक्ति का संदेश पहुंच सके।

ट्यूशन से घर छोड़ने के बहाने ऑटो चालक ने नाबालिग से की छेड़छाड़, ताइक्वांडो के बच्चों ने पुलिस को सौंपा

पीजी कॉलेज ग्राउंड में ले जाकर कर रहा था गलत हरकत

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर में सोमवार को एक नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपी ऑटो चालक लड़की को घर छोड़ने के बजाय पीजी कॉलेज मैदान के अंदर ले गया और वहां गलत हरकत करने लगा। लड़की ने हिम्मत दिखाकर वहां प्रैक्टिस कर रहे ताइक्वांडो के बच्चों के पास भागकर अपनी जान बचाई। बच्चों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

जानकारी के मुताबिक पीड़िता शहर के हृदयस्थल घड़ी चौक में ट्यूशन पढ़ने जाती है। लड़की के अनुसार ट्यूशन के बाद वह गांधीनगर थाना के पास जाने के लिए ऑटो में बैठी थी, लेकिन रास्ते में चालक ऑटो को सीधे पीजी कॉलेज ग्राउंड के अंदर ले गया और वहां उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। डरी–सहमी लड़की किसी तरह वहां से भागी और ग्राउंड में ताइक्वांडो का प्रैक्टिस कर रहे बच्चों के पास पहुंच गई। पूरी बात सुनकर ताइक्वांडो के बच्चों ने तुरंत आरोपी ऑटो चालक को पकड़ लिया और धुनाई करके उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पीजी कॉलेज मैदान जैसे सार्वजनिक स्थान पर दिनदहाड़े इस तरह की घटना होना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है।

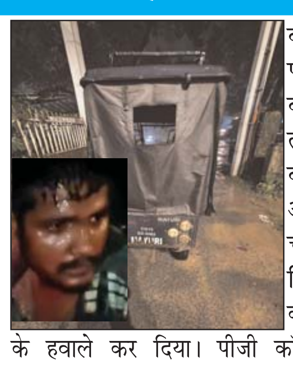

मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गांधीनगर थाना पुलिस ने आरोपी ऑटो चालक को हिरासत में लेकर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापनकला केन्द्र में दुकान निर्माण पर रोक लगाने अधिवक्ताओं ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

न्यायालय की गरिमा और सार्वजनिक हित में निर्माण कार्य तत्काल रोकने की मांग

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला न्यायालय अंबिकापुर के अधिवक्ताओं ने कला केन्द्र परिसर में प्रस्तावित दुकानों के निर्माण कार्य पर रोक लगाने की मांग को लेकर कलेक्टर सरगुजा को ज्ञापन सौंपा। अधिवक्ताओं ने ज्ञापन में कहा है कि कला केन्द्र नगर के मध्य स्थित एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक सार्वजनिक स्थल है, जो कलेक्टोरेट परिसर के ठीक सामने, जिला न्यायालय के समीप स्थित है। यहां प्रतिवर्ष मेला, प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, शासकीय आयोजन और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। वर्तमान में नगर में ऐसा कोई अन्य उपयुक्त सार्वजनिक स्थल उपलब्ध नहीं है। प्रस्तावित निर्माण स्थल जिला न्यायालय से अत्यंत निकट है। यहां व्यवसायिक दुकानों का निर्माण और उससे उत्पन्न भीड़, यातायात का दबाव, अव्यवस्था एवं शोर–शराबा न्यायालय की गरिमा एवं न्यायिक कार्यों की सुचारू व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा।

अधिवक्ताओं ने कहा कि यदि कला केन्द्र जैसे सार्वजनिक स्थल को व्यवसायिक उपयोग हेतु परिवर्तित किया गया तो न केवल ऐतिहासिक धरोहर का स्वरूप नष्ट होगा, बल्कि भविष्य में नगरवासियों को सार्वजनिक आयोजनों के लिए उपयुक्त स्थान से भी वंचित होना पड़ेगा।

अधिवक्ताओं की 3 मांगें

0 जनहित एवं न्यायालय परिसर की संवेदनशीलता को देखते हुए कला केन्द्र परिसर में प्रस्तावित दुकानों के निर्माण कार्य पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए।

0 उक्त परियोजना की समस्त प्रशासनिक एवं वैधानिक स्वीकृतियों की समीक्षा कराई जाए।

0 अधिवक्ताओं, नागरिक संगठनों एवं संबंधित हितधारकों से विचार–विमर्श उपरांत ही कोई निर्णय लिया जाए।

वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा का निधन

छ.ग. फ्रंटलाइन पत्थलगांव। जशपुर जिले के वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा का सोमवार प्रात: 05 बजे निधन हो गया, वे 70 वर्ष के थे। विगत 5 दशकों से वे निष्पक्ष एवं जनसरोकार से जुड़ी पत्रकारिता के मजबूत स्तंभ रहे। पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ होने के बाद भी उनकी लेखनी नहीं रुकी। उनका निधन पत्रकारिता जगत एवं समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

पांच दशक में उन्होंने सभी बड़े समाचार पत्रों के अलावा, न्यूज एजेंसी वार्ता और आईबीसी 24 के लिए काम किया। 80–90 के दशक में, उन्होंने जशपुर सरगुजा जिले के दूरस्थ इलाकों की रिपोर्टिंग की, जिसे देशभर में स्थान मिला। स्वर्गीय शर्मा अविभाजित मध्य प्रदेश के अधिमान्यता प्राप्त पत्रकार रहे। छत्तीसगढ़ बनने के बाद वे अधिमान्यता समिति के सदस्य रहे, उनकी अंत्येष्टि बनारस के मणिकर्णिका घाट में होगी।

ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिवार को यह गहन दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

नजूल पट्टा नवीनीकरण प्रक्रिया सरल हो, लहपटरा टोल में स्थानीय लोगों को राहत मिले

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नजूल भूमि पट्टा के नवीनीकरण की प्रक्रिया के सरलीकरण और लहपटरा टोल प्लाजा से नियमित गुजरने वाले स्थानीय निवासियों को टोल टैक्स में राहत दिलाने की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस सहसचिव राकेश सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को सरगुजा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में कहा गया कि 1996 के बाद 30 वर्ष पूर्ण हो जाने के कारण अंबिकापुर शहर में नजूल भू–खंडों का नवीनीकरण 30 मार्च 2026 से लंबित है। शहर में लगभग 20 हजार नजूल भूस्वामी हैं, जिनमें 80 प्रतिशत भूस्वामी इससे प्रभावित हो रहे हैं। नवीनीकरण की मौजूदा प्रक्रिया न केवल जटिल है बल्कि जवाबदेह सरकारी मशीनरी भी इतनी बड़ी संख्या में नवीनीकरण करने में सक्षम नहीं है। इससे शहर के नागरिकों, विशेषकर व्यवसायी वर्ग को भारी कठिनाई हो रही है।

दूसरी समस्या अंबिकापुर–बिलासपुर मार्ग पर नव स्थापित लहपटरा टोल प्लाजा को लेकर है। अंबिकापुर से उदयपुर और आगे तक के निवासी नौकरी और व्यवसाय के लिए नियमित रूप से इस टोल प्लाजा से निजी वाहनों से गुजरते हैं। एक बार पार करने का शुल्क 80 रुपये बताया जा रहा है, जो नियमित यात्रियों के लिए बड़ा आर्थिक भार है।

व्यवसायी वर्ग हो रहा प्रभावित

राकेश सिंह ने कहा कि नजूल पट्टा नवीनीकरण और लहपटरा टोल दोनों का सबसे अधिक असर अंबिकापुर शहर एवं क्षेत्र के व्यवसायी वर्ग पर पड़ रहा है। उन्होंने मंत्री राजेश अग्रवाल को संदेश देते हुए कहा कि नजूल पट्टा नवीनीकरण की प्रक्रिया सरल करने के लिए राज्य सरकार से बात की जाए और लहपटरा टोल से नियमित गुजरने वाले लोगों को राहत के लिए केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से चर्चा कर डबल इंजन को सार्थक बनाया जाए। जिला कांग्रेस सचिव अविनाश कुमार ने कहा कि नवीनीकरण की जटिलता का फायदा उठाकर कई दलाल सक्रिय हो गए हैं और लाखों की वसूली कर रहे हैं। सरकार को वार्ड अनुसार शिविर लगाकर और प्रक्रिया का सरलीकरण कर आम जनता को राहत देनी चाहिए। ज्ञापन सौंपने के दौरान अमित सिंह, केदार यादव सहित कई अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अंबिकापुर-रायगढ़ रोड पर दो ट्रकों में जोरदार भिड़ंत, नए ट्रैक्टर हुए क्षतिग्रस्त

चेन्द्रा जंगल के पास सुबह 5 बजे हुआ हादसा, नींद की झपकी बनी वजह

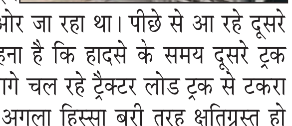

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत रायगढ़ रोड पर अलसुबह दो ट्रकों की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा चेन्द्रा जंगल के पास सुबह करीब 5 बजे हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर लोड ट्रक को काफी नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी की जानहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार एक ट्रेलर में नया ट्रैक्टर लोड था और वह रायगढ़ की ओर जा रहा था। पीछे से आ रहे दूसरे ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे के समय दूसरे ट्रक चालक को नींद में झपकी आ गई थी, जिसके कारण ट्रक अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रैक्टर लोड ट्रक से टकरा गया। टक्कर के बाद एक ट्रक सड़क से नीचे उतर गई। ट्रैक्टर लोड ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। नए ट्रैक्टर को भी नुकसान पहुंचा है। गनीमत रही कि दोनों ट्रकों के चालक और क्लीनर बाल–बाल बच गए।

लोगों की जुटी भीड़, यातायात प्रभावित–हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर इकट्ठा हो गए। सुबह के समय हुए इस हादसे के कारण कुछ देर के लिए रायगढ़ रोड पर यातायात भी प्रभावित हुआ। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने यातायात सामान्य कराया। प्रारंभिक जांच में लापरवाही और नींद की झपकी को हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर